सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 18, नई दिल्ली । रविवार, 31 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कुछ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

03 भाजपा ने दिल्ली के इस सांसद को पंजाब के फरीदकोट से उतारा
06 भारत को अमेरिका का इस्तक्षेप मंजूर नहीं
08 राष्ट्रहित में 14 अप्रेल को अपने घर और घरों की चौखट पर दीपक जलाएं

विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम द्वारा आटो शाखा में हस्तचालित कार्यशैली को हरी झंडी

हस्तचालित कार्यशैली से किसको फायदा वाहन मालिकों को या परिवहन विभाग के अधिकारियों को, बड़ा सवाल?

सोबरन सिंह राजपूत

नई दिल्ली। आनलाइन आवेदन प्रक्रिया होने के बावजूद विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा दिल्ली की आटो शाखा में हस्तचालित कार्यशैली को हरी झंडी देने के पीछे क्या है बड़ा कारण, आप सभी की जानकारी के लिए बता दें दिल्ली में आटो शाखा एक ऐसी व्यवसायिक गतिविधि में कार्यरत शाखा है जो सदा सुर्खियों मे रही है। मृत वाहन मालिकों के परमिट हस्तांतरण कर देना, बिना वाहन मालिक के परमिट रिन्यू कर देना जैसे कई कार्य करने के लिए यह शाखा विश्व विख्यात रही है जिसके प्रति ना जाने कितने केस अदालत में पहुंचे और एंटी करप्शन में भी केस दर्ज है। ऐसी शाखा में आनलाइन आवेदन प्रक्रिया उपल्ब्ध होते हुए और वाहन मालिकों द्वारा उसे अपनाने के बाद भी हस्तचालित कार्यशैली को हरी झंडी देने के पीछे का अर्थ क्या निकाला जाए। *कहीं ऐसा तो परिवहन विभाग के आला अधिकारी ही वाहन मालिकों को परेशान करवा कर आटो माफिया को बढ़ावा दिलवा रहे हैं।

आदेश की प्रति आप सभी की जानकारी हेतु स्लगन।

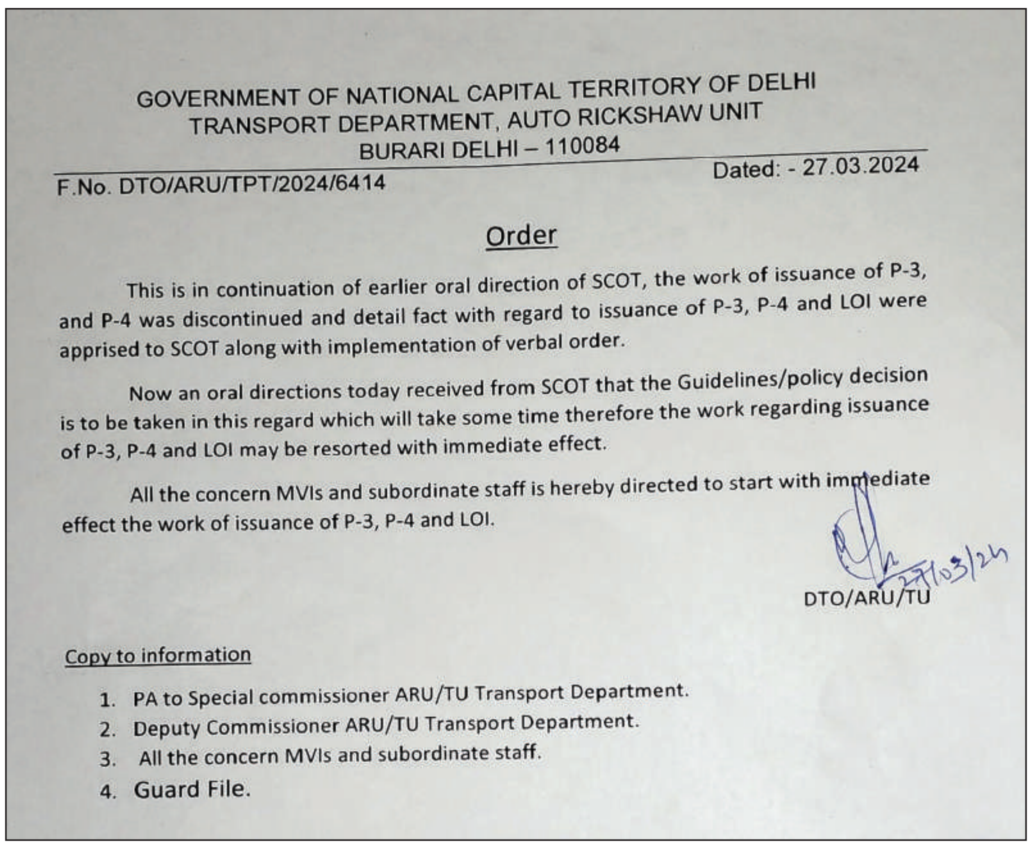

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
TRANSPORT DEPARTMENT, AUTO RICKSHAW UNIT
BURARI DELHI – 110084

F.No. DTO/ARU/TPT/2024/6414 Dated: - 27.03.2024

Order

This is in continuation of earlier oral direction of SCOT, the work of issuance of P-3, and P-4 was discontinued and detail fact with regard to issuance of P-3, P-4 and LOI were apprised to SCOT along with implementation of verbal order.

Now an oral directions today received from SCOT that the Guidelines/policy decision is to be taken in this regard which will take some time therefore the work regarding issuance of P-3, P-4 and LOI may be resorted with immediate effect.

All the concern MVIs and subordinate staff is hereby directed to start with immediate effect the work of issuance of P-3, P-4 and LOI.

DTO/ARU/TU

Copy to information

1. PA to Special commissioner ARU/TU Transport Department.
2. Deputy Commissioner ARU/TU Transport Department.
3. All the concern MVIs and subordinate staff.
4. Guard File.

सुरक्षित जीवन का मूलमंत्र सही दिशा, सही रफ्तार

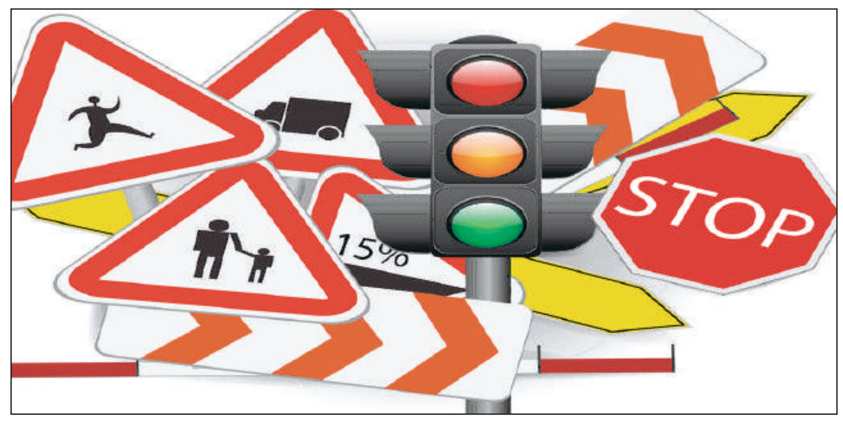

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इस संसार में जन्म लेने के लिए माँ के गर्भ में 9 महीने रुकना पड़ता हैं। अपने पैरों पर चलने के लिए 2 वर्ष का समय लग जाता है, स्कूल में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रवेश प्राप्त करने के लिए 3 वर्ष, इन्तजार करना पड़ता हैं, जीवन का पहला मत डालने के लिए 18 वर्ष, का इन्तजार करना पड़ता हैं, नौकरी प्राप्त करने के लिए 22 वर्ष , का इन्तजार करना पड़ता हैं, शादी के लिये 25 -30 वर्ष, तक इंतज़ार करना पड़ता हैं, इस तरह अपनी जिन्दगी में अनेक मौकों के लिए हम इंतजार करते है हम सभी। लेकिन वाहन चलाते समय आगे निकलने और जल्दी गंतव्य स्थान पर पहुंचने के चक्कर में ओवरटेक करते समय 30 सेकंड भी नही सोचते, और इस कारण हादसा/ दुर्घटना/एक्सीडेंट कर अपने और सामने वाले को कष्ट दे देते हैं। हादसा/ दुर्घटना/एक्सीडेंट होने के बाद जिन्दा रह भी गए तो एक्सीडेंट निपटाने के लिए कई घण्टे, हॉस्पिटल में कई दिन, महीने या साल निकाल देते है। कुछ सेकंड की गड़बड़ी कितना भयंकर परिणाम ला दे है, जरा सोचिए? जाने वाले चलें जाते हैं , पीछे वालों का क्या हाल होता है क्या कभी इस पर विचार किया है ? नियति को दोष देने की जगह सही रफ्तार, सही दिशा में व वाहन संभल कर चलायें सुरक्षित रहें और सुरक्षित घर पहुंचे। आपका अपना मासूम परिवार आपका घर पर इंतजार कर रहा है। आप से निवेदन है इसे आगे फैलाने में मदद करें।

क्या पता 1% लोग भी मेरे विचार से सहमत हो तो कई परिवार बच जाएंगे.....

"जीवन अनमोल है"

अब गाड़ी खरीदना होगा महंगा, 1 अप्रैल से हो रहा है ये बड़ा बदलाव, जानें कितना देना होगा टैक्स?

परिवहन विशेष न्यूज

राजस्थान के परिवहन विभाग में 1 अप्रैल से आम लोगों से जुड़ा बड़ा बदलाव होने जा रहा है. अगर आप 1 अप्रैल से सेकेंड हैंड दोपहिया या चारपहिया वाहन खरीद रहे हैं तो पहले परिवहन विभाग के नए नियम जांच लें। संभव है कि इस नए नियम को जानने के बाद आप सेकेंड हैंड गाड़ी खरीदने का इरादा छोड़ दें और नई गाड़ी खरीद लें। 1 अप्रैल से पुरानी गाड़ियां खरीदना और बेचना महंगा होने जा रहा है. आमतौर पर लोग नई महंगी गाड़ी खरीदने की बजाय सेकेंड हैंड गाड़ियों को प्राथमिकता देते हैं। इस प्रक्रिया में वाहन भी सस्ते दाम पर मिल जाता है और वाहन दस्तावेजों के ट्रांसफर पर बहुत कम टैक्स देना पड़ता है। लेकिन अब यह प्रक्रिया काफी महंगी कर दी गई है. अभी तक पेपर ट्रांसफर पर 12.5 फीसदी टैक्स देना होता था, लेकिन अब यह टैक्स दोगुना कर दिया गया है. अब आम आदमी को पुरानी गाड़ी खरीदने के लिए दस्तावेजों के ट्रांसफर पर 25 फीसदी टैक्स देना होगा. कागजों के ट्रांसफर पर 25 प्रतिशत टैक्स देना होगा

जयपुर झालाना फर्स्ट आरटीओ राजेश चौहान के मुताबिक, अब आम आदमी को सेकेंड हैंड वाहन के कागजात के ट्रांसफर पर 25 फीसदी टैक्स देना होगा. इसके तहत 50 फीसदी टैक्स छूट खत्म कर दी गई है. परिवहन विभाग ने अपने सॉफ्टवेयर में नये टैक्स को अपडेट कर दिया है. टैक्स बढ़ने का सबसे ज्यादा असर उन डीलर्स पर पड़ेगा जो सेकेंड हैंड गाड़ियों का कारोबार करते हैं. हालांकि, यह टैक्स सिर्फ गैर-परिवहन वाहनों पर ही बढ़ाया गया है. कॉमर्शियल वाहनों पर टैक्स पहले की तरह ही रहेगा. यह कवायद बढ़ते प्रदूषण और पुराने वाहनों को कम करने की है

दरअसल, यह पूरी कवायद शहरों में बढ़ते प्रदूषण और पुराने वाहनों को कम करने के लिए है। पुराने वाहन अधिक प्रदूषण फैलाते हैं और आरसी की तारीख खत्म होने के बाद भी चोरी-छिपे सड़कों पर दौड़ाए जाते हैं। टैक्स बढ़ने से आम आदमी नए वाहनों की ओर रुख करेगा और बाजार में उपलब्ध बी6 इंजन और ईवी पर मिलने वाले डिस्काउंट का फायदा उठा सकेगा. इससे एक तरफ जहां पुराने और जर्जर वाहनों की खरीद-फरोख्त पर रोक लगेगी, वहीं दूसरी तरफ ऐसे वाहन कबाड़ में जा सकेंगे।

एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में संपन्न हुआ चार दिवसीय इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेनिंग प्रोग्राम

संजय बाटला

नोएडा। मीडिया संवाददाताओं से बात करते हुए फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट डा.राजीव मिश्रा ने बताया कि चार दिवसीय इस प्रोग्राम में एमिटी यूनिवर्सिटी ने फ्रांस , कनाडा और कई देशों से विश्वविद्यालयों के गणमान्यों को आमंत्रित किया था, औद्योगिक क्षेत्र में भारत कैसे आगे आने वाले दिनों में तैयारी कर रहा है इस विषय पर पैनल को संभालने की जिम्मेदारी इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन को दी गई , पहले पैनल के मॉडरेटर के तौर पर आइफेवा चेयरमैन डॉ शैलेंद्र सरोज ने पैनलिस्ट दीपक वाधवा ,विकास गुप्ता , सुजॉय चौरसिया , प्रवीण से बैटरी टेक्नोलॉजी से संबंधित क्या-क्या खामियां हैं और कैसे आने वाले दिनों में इसे दूर किया जा सकता है , इस क्षेत्र में क्या व्यवसाय के अवसर बन सकते हैं इन तमाम विषयों पर चर्चा की , उनका मत जाना , उनके अनुभव को सुना ।

दूसरे पैनल के मॉडरेटर के तौर पर शिप्रा कपूर ने पैनलिस्ट के तौर पर शामिल हुए डॉ राजीव मिश्रा , अंशुमान सिंह, नरेंद्र झा , रविंद्र जोशी व वीरेंद्र सिंह से ईवी के क्षेत्र में कैसे युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकता है, इस विषय पर वार्ता की । कॉन्फ्रेंस में 20 से ज्यादा इंडस्ट्री , 200 से ज्यादा डेलिगेट्स समेत 10 देश के लोग शामिल हुए ।

सेमिनार के समापन के बाद आइफेवा के सदस्यों को एमिटी विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया प्रो.डॉ. बलविंदर शुक्ला के द्वारा चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया , कुलपति महोदया ने चर्चा के दौरान अपने विचार रखते हुए कहा कि आजकल के नौजवान छात्र/छात्राएं आईटी क्षेत्र में ही जाना पसंद करते हैं जबकि उनकी रुचि मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र की तरफ भी होनी चाहिए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी आगामी दिनों में आइफेवा के साथ मिलकर स्कूलों में जाकर जागरूकता अभियान चलाएगा , कक्षा 10 , 11 , 12 के बच्चों को किस क्षेत्र में क्या संभावनाएं हैं , इस पर जानकारी दी जाएगी, कहां रोजगार के अवसर ज्यादा है , नवीन तकनीकी

कैसे रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, इस पर जानकारी दी जाएगी ।

बैठक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्टार्टअप एवं उद्यमी संघ के अध्यक्ष अंशुमान सिंह भी मौजूद रहे जो पिछले 4 सालों से कॉलेज और विश्वविद्यालयों में जाकर ₹एंटरप्रेन्योरियल माइंडसेट डेवलपमेंट₹ विषय पर लाखों बच्चों से संवाद कर चुके हैं , आगामी दिनों में आईबीएसईए, आइफेवा , एमिटी विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से मिलकर युवाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे ।

यह समाचार सिर्फ फरीदाबाद के लिए नहीं अपितु पूरे भारत देश के सभी नगर , जिलों और खास तौर से दिल्ली वासियों के लिए है

वेक अप कॉल: फ़रीदाबाद में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना , एक खुला पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

प्रिय फ़रीदाबाद वासियों,

यह बहुत चिंता और तात्कालिकता के साथ है कि हम आज आपको हमारे शहर में सड़क सुरक्षा के गंभीर मुद्दे के बारे में संबोधित कर रहे हैं। हर दिन, हम न केवल अनेक उल्लंघनों और खतरों को देखते हैं। जीवन को खतरे में डालते हैं लेकिन समग्र रूप से हमारे समुदाय की भलाई से भी समझौता करते हैं। इन मुद्दों को नज़रअंदाज़ करना या उनके प्रति ढुलमुल रवैया अपनाना अब कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि निष्क्रियता के परिणाम लगातार गंभीर होते जा रहे हैं।

यहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर हमें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है:

गड्ढों में छेद: फ़रीदाबाद में गड्ढों की व्यापकता मोटर चालकों और पैदल चलने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती है, जिससे दुर्घटनाएँ और चोटें होती हैं।

सड़क किनारे पार्किंग: अवैध रूप से पार्क किए गए वाहन यातायात प्रवाह में बाधा डालते हैं और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए खतरा पैदा करते हैं।

गलत तरीके से ड्राइविंग: दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लापरवाह ड्राइविंग प्रथाओं जैसे कि यातायात प्रवाह के विपरीत ड्राइविंग पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

पेड़ों की कटाई: पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और उन्हें सड़कों के किनारे छोड़ देने से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, बल्कि वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा होता है।

जल निकासी चोक होना: विशेष रूप से एनएचएआई में जल निकासी प्रणालियों के चोक होने से मानसून के दौरान बाढ़ और सड़क क्षति का खतरा बढ़ जाता है।

टोल जाम और भुगतान के मुद्दे: गुड़गांव-फरीदाबाद टोल जैसे टोल बूथों पर यातायात की भीड़ और स्वचालित भुगतान विकल्पों की कमी के तत्काल समाधान की आवश्यकता है।

अवैध प्रवेश: दिल्ली-फरीदाबाद टोल पर बाइकों के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

नाबालिगों द्वारा ड्राइविंग: युवा ड्राइवरों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नाबालिगों द्वारा ड्राइविंग के खिलाफ कानून लागू करना आवश्यक है।

सीसीटीवी स्थापना: सीसीटीवी कैमरों की स्थापना में तेजी लाने और चालान जारी करने के लिए उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने से यातायात उल्लंघन को रोका जा सकता है।

हेलमेट अनुपालन: सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों को कम करने के लिए हेलमेट पहनने के नियमों का सख्ती से पालन करना महत्वपूर्ण है।

पैदल यात्री बुनियादी ढाँचा: पैदल यात्रियों के लिए पर्याप्त फुटपाथ सुनिश्चित करना उनकी सुरक्षा और सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है।

अतिक्रमण हटाना: सुचारू यातायात प्रवाह और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फेरीवालों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया जाना चाहिए। ऑटो स्टैंड प्रबंधन: ऑटो स्टैंड से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने से यातायात की भीड़ को कम किया जा सकता है और व्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सुनिश्चित की जा सकती हैं।

गति सीमा: शहर की सड़कों पर गति सीमा को उचित रूप से चिह्नित करने से दुर्घटनाओं को रोकने और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है।

सड़क का नामकरण: सड़कों और हितधारकों के नाम प्रकाशित करने से जवाबदेही बढ़ सकती है और सड़क रखरखाव के संबंध में संचार की सुविधा मिल सकती है।

आवारा पशु नियंत्रण: दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़कों पर घूमने वाले आवारा जानवरों को नियंत्रित करने के उपाय आवश्यक हैं।

यातायात विनियमन: दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात अनुशासन बनाए रखने के लिए नो-एंट्री ज़ोन का कड़ाई से पालन आवश्यक है।

संस्थानों के पास गति प्रबंधन: स्कूलों और अस्पतालों के पास स्पीड ब्रेकर और गति सीमा लागू करने से कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा की जा सकती है।

यातायात सिग्नल अनुपालन: लाल बत्ती कूदना सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और इसे सख्त प्रवर्तन के माध्यम से संबोधित किया जाना चाहिए।

लेन अनुशासन: लेन ड्राइविंग को प्रोत्साहित करने और लेन उल्लंघनों को दंडित करने से यातायात प्रवाह में सुधार हो सकता है और दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।

टिंटेड विंडो विनियमन: दृश्यता और कानून प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए वाहन की खिड़कियों पर काली फिल्मों के खिलाफ नियमों को लागू करना महत्वपूर्ण है। ये उन अनेक चुनौतियों में से कुछ हैं जिनका हम फ़रीदाबाद की सड़कों पर सामना करते हैं। हम आप सभी से आग्रह करते हैं कि समाधान खोजने और उनके कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों को जवाबदेह बनाने में सक्रिय रूप से भाग लें। आपकी आवाज़ और कार्य हमारे शहर की सुरक्षा और भलाई को आकार देने में मायने रखते हैं।

आइए, कल नहीं, बल्कि आज एक साथ आएं, ताकि फरीदाबाद को सभी के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाया जा सके।

सादर,
टीम सड़क सुरक्षा
प्रयास विफल हो सकते हैं लेकिन प्रयास करने में कभी असफल नहीं होते..

हर क्षेत्र में मान-सम्मान हासिल करती हैं 'P' नाम की लड़कियां, जानिए इनकी 5 खूबियां

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नाम के पहले अक्षर से आप व्यक्ति के स्वभाव से जुड़ी बातें पता लगा सकते हैं। व्यक्ति का नाम उसकी तरक्की, करियर पर बहुत ही प्रभाव पड़ता है। नाम सिर्फ व्यक्ति की पहचान ही नहीं बल्कि ग्रह-नक्षत्र और योग का प्रतिनिधित्व करने में भी सक्षम होते हैं। आज ऐसे ही आपको पी नाम से शुरु होने वाली लड़कियों के स्वभाव से जुड़ी कुछ बातें बताएंगे। आइए जानते हैं यह लड़कियां कैसे स्वभाव की मालकिन होती हैं।

जिद्दी होती हैं

इसन नाम की लड़कियां बहुत ही जिद्दी स्वभाव की होती हैं। यह हर क्षेत्र में मान-सम्मान हासिल करती हैं। सामने वाला इनके बारे में क्या सोचता है इस बात से इन्हें बहुत फर्क पड़ता है।

दिमाग की होती हैं तेज

यह लड़कियां मन से साफ होती हैं और इनके दिल में किसी के लिए भी कोई खोट नहीं होता। इन लड़कियों का सेंस ऑफ ह्यूमर काफी अच्छा होता है।

अपनी रेप्यूटेशन का रखती हैं ध्यान

यह लड़कियां अपनी रेप्यूटेशन का खास ध्यान रखती हैं। पी नाम की लड़कियों के लिए इनकी छवि बहुत ही मायने रखती है।

प्यार के मामले में होती हैं अनलकी

यह लड़कियां प्यार के मामले में अनलकी होती हैं। इनका विचार यह प्यार तो करती हैं लेकिन इस मामले में किस्मत इनका साथ नहीं देती। कभी इनका प्रेमी से झगड़ा हो जाता है या फिर कभी प्रेमी उनकी छोड़ जाता है। इन लड़कियों की प्यार के मामले में किस्मत साथ नहीं देती।

नई-नई चीजें करती हैं एक्सपलोर

यह लड़कियां काफी बुद्धिमान होती है। इनमें नई-नई चीजों को एक्सपलोर करने की और नई चीजें सीखने की बहुत ही एक्साइटमेंट होती है। अपने एक्साइटमेंट के चलते यह करियर में भी तरक्की जरुर हासिल करती हैं।

सभी गांठें नहीं होती हैं ब्रेस्ट कैंसर, करती हैं इन बीमारियां की ओर इशारा

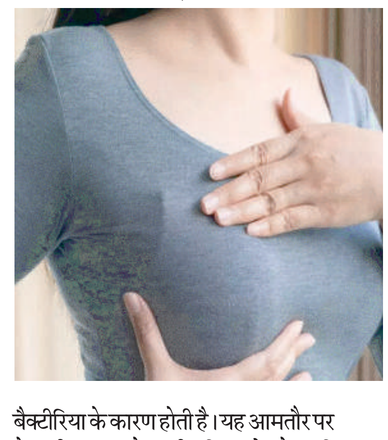

आजकल ज्यादातर महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं। इसके चलते इसको लेकर जागरूकता महिलाओं के बीच बढ़ी है। महिलाओं अकसर खुद घर पर ही अपने ब्रेस्ट में गांठ के लिए चेक करती रहती हैं। ब्रेस्ट में किसी तरीका का परिवर्तन बहुत चिंता का कारण बन सकता है। ये तो समझ में आता है। लेकिन हर बार ब्रेस्ट में परिवर्तन की वजह ब्रेस्ट कैंसर नहीं होती हैं।

ब्रेस्ट में कोई भी लक्षण, जैसे कि ब्रेस्ट में गांठ, निपल से स्राव या ब्रेस्ट में दर्द, आदि की जांच करके इसकी सही वजह एक्सपर्ट ही बता सकते हैं। आपको बता दें ब्रेस्ट के जुड़ी और भी लक्षण होते हैं जो ब्रेस्ट कैंसर की ओर नहीं बल्कि किसी और बीमारी की ओर इशारा करते हैं। आइए आपको बताते हैं इनके बारे में....

फाइब्रोएडीनोमा

फाइब्रोएडीनोमा ब्रेस्ट का सबसे आम किस्म का ट्यूमर है। ज्यादातर ये 15 से 35 साल की उम्र के लोगों में होते हैं। ब्रेस्ट examination के दौरान में ये अक्सर एक सख्त, गोल, चिकनी और रबड़ जैसी स्तन गांठ के रूप में दिखाई देते हैं। कई फ़ाइब्रोएडीनोमा का समय-समय पर अल्ट्रासाउंड करके इलाज किया जा सकता है। ये भविष्य में स्तन कैंसर के खतरे को नहीं बढ़ाते हैं।

ब्रेस्ट सिस्ट

कभी-कभी, ब्रेस्ट में सिस्ट विकसित हो सकते हैं। सिस्ट तरल पदार्थ से भरे सेल्स होते हैं। ये breast tissue में गांठों या मैमोग्राम पर पाई जा सकती हैं। वे हमेशा लक्षण पैदा नहीं करते हैं, लेकिन जैसे- जैसे सिस्ट बढ़ते हैं ब्रेस्ट में दर्द और sensitivity पैदा होती हैं। ये 35 से 60 साल की उम्र के बीच आम हैं, और पीरियड्स के साथ उतार-चढ़ाव हो सकता है। वहीं ब्रेस्ट में सिस्ट ब्रेस्ट कैंसर का खतरा नहीं बढ़ता है।

मास्टिटिस

ये ब्रेस्ट tissue में एक तरह की सूजन है जो ब्रेस्ट में दूध नलिकाओं के ब्लॉक होने से या बैक्टीरिया के कारण होती है। यह आमतौर पर ब्रेस्टफीड करवाने वाली महिलाओं को प्रभावित करता है, लेकिन यह उन महिलाओं में भी हो सकता है जो ब्रेस्टफीड नहीं करवाती हैं। सूजन से ब्रेस्ट में दर्द, सूजन, गर्मी और लालिमा होती है। मास्टिटिस का इलाज एंटीबायोटिक दवाओं और दर्द निवारक दवाओं से किया जा सकता है।

पैपिलोमा

पेपिलोमा milk duct में एक वृद्धि है और यह निप्पल डिस्चार्ज के रूप में प्रकट हो सकता है। यह निप्पल के पीछे या बगल में एक छोटी गांठ के रूप में भी मौजूद हो सकता है। बायोप्सी यह समझने में मदद कर सकती है कि क्या पेपिलोमा का इलाज करने की जरूरत है या नहीं, क्योंकि कभी-कभी उनमें असामान्य कोशिकाएं हो सकती हैं जो ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती हैं। वहीं इसका इलाज duct के बढ़े हुए आकार पर भी निर्भर करता है, यदि कई गांठें हैं या यदि वे लक्षण पैदा कर रहे हैं। पेपिलोमा को हटाने के लिए सर्जरी भी की जाती है।

असामान्य हाइपरप्लासिया (Atypical hyperplasia)

इसमें ब्रेस्ट की दूध नलिकाओं (milk ducts) में असामान्य कोशिकाओं यानी सेल्स बनते है। बता दें एटिपिकल हाइपरप्लासिया कोई कैंसर नहीं है, लेकिन इससे जरूर ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इस कारण से, कभी-कभी उस क्षेत्र को सर्जरी से हटा दिया जाता है। अक्सर, एक्सपर्ट्स कैंसर के खतरे को कम करने के लिए उस क्षेत्र को सर्जरी से हटा दिया जाता है। वहीं इसके इलाज के लिए खूब सारी screenings और दवाएं लेने की सलाह दी जाती है।

कामकाजी महिलाओं के लिए आवाज उठाने वाली क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल प्राइज

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को श्रम बाजार में स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव संबंधी समझ को बेहतर बनाने के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने इस पुरस्कार की घोषणा की है। गोल्डिन इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली तीसरी महिला हैं। उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के वेतन में अंतर के कारणों को समझने के लिए काफी शोध किया है।

अर्थशास्त्र विज्ञान क्षेत्र में पुरस्कार विजेता का चयन करने वाली समिति के प्रमुख जैकब स्वैनसन ने कहा- ''श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है। क्लॉडिया गोल्डिन के अभूतपूर्व शोध के लिए धन्यवाद, अब हम अंतर्निहित कारकों के बारे में और अधिक जानते हैं तथा भविष्य में किन बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता हो सकती है।''

गोल्डिन ने अमेरिका के 200 साल के इकनॉमिक इतिहास में महिलाओं की भागीदारी का अध्ययन किया। पुरस्कार समिति के सदस्य रैंडी एच. ने कहा कि गोल्डिन समाधान पेश नहीं करती हैं, लेकिन उनका शोध नीति निर्माताओं को समस्या से निपटने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा- ''गोल्डिन (श्रम बाजार में) लैंगिक भेदभाव के मूल स्त्रोत पर ध्यान आकर्षित करती हैं और यह कि समय के साथ तथा विकास के क्रम में इसमें किस तरह बदलाव आया। इसलिए, कोई एक नीति काफी नहीं है।''

एलेग्रेन ने बताया कि पुरस्कार की घोषणा के बाद 77 वर्षीय गोल्डिन ''आश्चर्यचकित और बेहद खुश'' हुईं। नोबेल पुरस्कार के तहत विजेता को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है। दिसंबर में ओस्लो और स्टॉकहोम में होने वाले पुरस्कार समारोहों में विजेताओं को 18 कैरट का स्वर्ण पदक और एक डिप्लोमा भी दिया जाता है।

बता दें कि क्लाउडिया गोल्डिन फिलहाल हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स की प्रोफेसर के तौर पर कार्य कर रही हैं। वह एनबीईआर के जेंडर इन द इकोनॉमी ग्रुप की को-डायरेक्टर भी हैं। क्लाउडिया गोल्डिन 1989-2017 के दौरान एनबीईआर के अमेरिकन इकोनॉमिक प्रोग्राम की डेवलपमेंट डायरेक्टर थीं। उन्होंने कहा कि डिटेक्टिव होने के पीछे सोच ये रहती है कि आप खुद से सवाल पूछते रहें और उनके सवालों के जवाब मिलने तक कार्यरत रहें. आज भी उनके अंदर ये सोच जिंदा है।

वजन कम करने से लेकर पाचन स्वस्थ रखेगी मिक्स दाल, जानिए इसके बेशुमार फायदे

दाल का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है इसलिए घरों में एक बार इसे जरुर खाते हैं। दाल खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं, पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। पहले समय में दालों को मिक्स करके बनाया जाता था इस तरह की दाल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों को बढ़ाती है। मिक्स दाल को कई दालों के साथ मिलाकर बनाया जाता है जैसे अरहर, मूंग, चना, मसूर और उड़द की दाल इसमें शामिल की जाती है। इन सारी दालों में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर। इस दाल का सेवन करने से शरीर को ताकत मिलती है और शरीर की कमजोरी भी दूर होती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि मिक्स दाल खाने से शरीर को और क्या-क्या फायदे होंगे....

वजन होगा कम

मिक्स दाल का सेवन करने से वजन कम करने में भी सहायता मिलती है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरकर रखता है जिससे भूख कम लगती है। इससे खाने की इच्छा शक्ति भी कम होती है जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। मिक्स दाल में कैलोरी की मात्रा भी काफी कम मौजूद होती है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बीमारियों से होगा बचाव

इसके अलावा मिक्स दाल खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां भी नियंत्रण में रहती हैं। इन दालों में फैट कम मात्रा में पाया जाता है जिससे दिल संबंधी बीमारियोंका जोखिम कम होता है। इसमें मौजूद फाइबर हार्ट को हेल्दी रखने में भी मदद करता है।

हड्डियां बनेगी मजबूत

मिक्स दाल में कैल्शियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है यह हड्डियों को मजबूत बनाने और मांसपेशियों में होने वाले दर्द को भी कम करने में भी मदद करती हैं। मिक्स दाल खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

यह पाचन संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए भी बेहद लाभकारी मानी जाती हैं। इसका सेवन करने से पेट साफ होता है और कब्ज की समस्या में भी आराम मिलता है। इसके अलावा मिक्स दाल खाने से अपच, गैस, बदहजमी और एसिडिटी से भी राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

मिक्स दाल का सेवन करने से मौसमी बीमारियों से भी बचाव होता है क्योंकि इसमें विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। यह शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाकर बीमारियों से बचाने में मदद करता है। मिक्स दाल खाने से वायरल बीमारियों का खतरा कम होता है और शरीर लंबे समय तक स्वस्थ रहता है।

भाजपा ने दिल्ली के इस सांसद को पंजाब के फरीदकोट से उतारा, जारी की प्रत्याशियों की 8वीं सूची

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने लोकसभा चुनावों को लेकर अपने प्रत्याशियों की 8वीं सूची जारी कर दी है। इस बार उड़ीसा और पंजाब की सीटों से प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। वहीं, दिल्ली की उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट से सांसद हंसराज हंस को भी पंजाब की लोकसभा सीट से उतारा है।

भाजपा ने इस बार हंसराज हंस को दिल्ली की लोकसभा सीट से नहीं उतारा था। सूची आने के बाद उनका नाम दिल्ली के प्रत्याशियों की लिस्ट में नहीं था। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे थे कि उनका टिकट कट गया है। हालांकि अब भाजपा ने पंजाब के फरीदकोट से हंसराज हंस को प्रत्याशी बनाया है। फरीदकोट लोकसभा सीट एससी (आरक्षित) सीट है।

दिल्ली की सातों लोकसभा सीट से उम्मीदवार

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद और उम्मीदवार मनोज तिवारी

दक्षिणी दिल्ली के प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी

पूर्वी दिल्ली के प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा

पश्चिमी दिल्ली की प्रत्याशी कमलजीत सहरावत

उत्तर पश्चिमी दिल्ली के प्रत्याशी योगेंद्र चांदोलिया

चांदनी चौक के प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल

नई दिल्ली की प्रत्याशी बांसुरी स्वराज

दिल्ली में इनका कटा टिकट

नई दिल्ली से केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, चांदनी चौक से डॉ. हर्षवर्धन, पश्चिमी दिल्ली प्रवेश वर्मा और दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधूड़ी, उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट से सांसद हंस राज हंस का टिकट कट गया है। वहीं, गौतम गंभीर ने राजनीति से संन्यास का एलान कर दिया था। सिर्फ मनोज तिवारी मौजूदा सांसद हैं, जिन्हें भाजपा ने दिल्ली में फिर प्रत्याशी बनाया है।

दिल्ली जल बोर्ड घोटाला मामले में ED ने दायर की 8 हजार पन्नों की चार्जशीट, AAP पर लगाए गंभीर आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने दिल्ली जल बोर्ड (DJB) में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में शनिवार को आरोप पत्र दायर किया है। लगभग 8,000 पेज का यह आरोप पत्र धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में दायर किया गया। अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के लिए एक अप्रैल की तिथि तय की है।

आरोपपत्र (Chargesheet) में चार व्यक्तियों और एक कंपनी को आरोपित बनाया गया है। इनमें डीजेबी के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी के पूर्व महाप्रबंधक डीके मित्तल, तेजिंदर सिंह और एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड हैं। ईडी ने इन आरोपियों पर पीएमएलए के तहत मुकदमा चलाने की मांगी है। साथ ही यह भी बताया है कि भविष्य में पूरक आरोप पत्र भी दायर किया जाएगा।

आप ने चुनावी फंड में इस्तेमाल किए रुपये

ईडी सूत्रों के अनुसार, जलबोर्ड द्वारा जारी एक अनुबंध में भ्रष्टाचार से रिश्वत में मिले पैसे को सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को चुनावी फंड के रूप में पारित किया गया था। एजेंसी ने मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी बुलाया था, लेकिन वह उसके सामने पेश नहीं हुए।

ईडी कर चुकी है छापामारी

उसके बाद ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को एक अन्य आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Policy) से जुड़े. मामले में गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले ईडी ने फरवरी में जांच के तहत केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार, आप के राज्यसभा सांसद और कोषाध्यक्ष एन डी गुप्ता, पूर्व डीजेबी सदस्य शलभ कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज मंगल और कुछ अन्य के परिसरों पर छापामारी की थी।

क्या है एफआईआर का आधार

ईडी मामले का आधार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर है, जिसमें अरोड़ा पर एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 38 करोड़ रुपये की कुल लागत के लिए डीजेबी अनुबंध देने का आरोप लगाया गया है, इस तथ्य के बावजूद कि कंपनी तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थी। ईडी ने मामले में अरोड़ा और अग्रवाल को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

एजेंसी ने दावा किया है कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने जाली दस्तावेज जमा करके अनुबंध हासिल किया और अरोड़ा को इस तथ्य की जानकारी थी कि कंपनी तकनीकी पात्रता को पूरा नहीं करती है।

ईडी के एक बयान में आरोप लगाया है कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को ठेका देने के बाद अरोड़ा ने नकद और बैंक खातों में रिश्वत ली और डीजेबी मामलों का प्रबंधन करने वाले विभिन्न लोगों को पैसा दिया, जिसमें आप से जुड़े व्यक्ति भी शामिल थे। ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि रिश्वत की रकम चुनावी फंड के तौर पर आप को भी दी गई।

यह दूसरा मामला है, जिसमें ईडी ने आप पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि 2021-22 की खत्म की गई उत्पाद शुल्क नीति (Delhi Excise Policy) के कुल 100 करोड़ रुपये में से 45 करोड़ रुपये की रिश्वत राशि का इस्तेमाल केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनावों में प्रचार के लिए किया था।

एजेंसी ने कहा है कि डीजेबी का ठेका अत्यधिक ऊंची दरों पर दिया गया, ताकि ठेकेदारों से रिश्वत वसूली जा सके। 38 करोड़ रुपये के अनुबंध मूल्य के मुकाबले, अनुबंध पर केवल 17 करोड़ रुपये खर्च किए गए और शेष राशि को विभिन्न फर्जी खर्चों की आड़ में निकाल लिया गया। ईडी ने आरोप लगाया है, इस तरह के फर्जी खर्च रिश्वत और चुनावी फंड के लिए दर्ज किए गए थे।

हो जाएं सावधान! Delhi Metro में नौकरी दिलाने के नाम पर हो रही धोखाधड़ी, तीन महिलाओं सहित गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन महिलाओं सहित चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने क्विकर जैसे ऑनलाइन जॉब पोर्टल से भुगतान पर रोजगार चाहने वालों का थोक में डेटा प्राप्त किया हुआ था। प्राप्त डेटा के आधार पर आरोपितों ने नौकरी की चाह रखने वाले 80000 से ज्यादा लोगों को कॉल किया था।

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तीन महिलाओं सहित गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों ने क्विकर जैसे ऑनलाइन जॉब पोर्टल से भुगतान पर रोजगार चाहने वालों का थोक में डेटा प्राप्त किया हुआ था।

आरोपितों ने पीड़ितों को नेहरू प्लेस, कौशांबी आदि में अपने कार्यालयों में बुला कर रजिस्ट्रेशन, इंटरव्यू, प्रोसेसिंग फीस आदि के नाम पर बड़ी रकम ठग ली। इसके बाद बाते करना बंद कर दिया। जांच में सामने आया कि प्राप्त डेटा के आधार पर आरोपितों ने नौकरी की चाह रखने वाले 80,000 से ज्यादा लोगों को कॉल किया था।

ईओडब्ल्यू के डीसीपी अयनेश राय ने बताया कि 29 पीड़ितों की शिकायतों पर आर्थिक अपराध शाखा में आइपीसी की धारा 420/406/34 बहु-पीड़ित मामला दर्ज किया था। जिसमें को दिल्ली मेट्रो, अमेजन में ड्राइवर, गार्ड, फील्ड बॉय की नौकरी लगवाने के नाम पर पीड़ितों से ठगी की गई थी।

नेहरू प्लेस में चला रहे थे कार्यालय

आरोपित 2023 की शुरूआत से नेहरू प्लेस दिल्ली में डिजी रिक्रूटर्स के नाम से अपना कार्यालय चला रहे थे। दो-तीन महीने कार्यालय चलाकर 29 पीड़ितों से लगभग साढे. सात लाख रूपये की ठगी कर फरार हो गए थे।

जांच में सामने आया कि पीड़ितों की संख्या पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाले 29 पीड़ितों से कहीं ज्यादा है। नौकरी के नाम परा धोखाधड़ी के लगभग तीन सौ पीड़ितों के रिकार्ड पाए गए। मौके की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया।

धोखाधड़ी गिरोह के इन चार सदस्यों की पहचान

स्थानीय स्तर पर पूछताछ और डेटा विश्लेषण के आधार पर चार आरोपितों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने नेहरू प्लेस क्षेत्र से अपना स्थान बदल लिया है और अब उसी कार्यप्रणाली के साथ कौशांबी, गाजियाबाद, यूपी से काम कर रहे थे। नौकरी धोखाधड़ी गिरोह के इन चार सदस्यों की पहचान की गई और उन्हें अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

इनकी पहचान शाहदरा, दिल्ली निवासी निकिता ठाकुर, शाहदरा दिल्ली निवासी योगिता उर्फ याशिका, करोल बाग निवासी हेमलता और सदर बाजार निवासी मोहम्मद असद के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद गए।

कैलाश गहलोत को ईडी के समन पर भड़की आप, आतिशी बोलीं- कल को हमारी भी हो सकती है गिरफ्तारी

परिवहन विशेष नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में दिल्ली मंत्री कैलाश गहलोत को ईडी के समन पर आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान आतिशी ने कहा कि सबसे पहले ईडी को भाजपा से पूछताछ करनी चाहिए।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी कार्रवाई को तेज कर दिया है। दिल्ली मंत्री कैलाश गहलोत को समन जारी होने पर आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए और कहा कि सबसे पहले एजेंसियों को भाजपा से पूछताछ करनी चाहिए। प्रेस वार्ता में कहा कि सिर्फ चार बयानों पर मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है। शरद रेड्डी ने भाजपा को चंदा दिया।

कोई झगड़ा 'विराट' या 'गंभीर' नहीं, दिल्ली पुलिस का पोस्ट वायरल, जानें क्या है माजरा

परिवहन विशेष नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने धुर विरोधी कहे जाने वाले विरोट कोहली और गौतम गंभीर की एक तस्वीर साझा की। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। लोगों को जागरूक करने के लिए इस तस्वीर को साझा किया गया।

आईपीएल मैच के बीच विराट कोहली और गौतम गंभीर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। आईपीएल 2024 के आरसीबी और केकेआर के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें विराट कोहली और गौतम गंभीर पुराने विवादों को भुलाकर एकदूसरे से गले मिलते नजर आए। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने एक पोस्ट साझा किया। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

दिल्ली पुलिस ने साझा किया पोस्ट

दिल्ली पुलिस ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में लोगों को जागरूक करने के लिए गौतम गंभीर और विराट कोहली के गले मिलने वाली तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ लिखा कि कोई भी झगड़ा विराट या गंभीर नहीं। झगड़ा हुआ तो डायल 112। किसी भी परेशानी में मदद के लिए 112 है तैयार। पुलिस के इस पोस्ट को जमकर साझा किया जा रहा है। तो वहीं पोस्ट को खूब लाइक मिल रहे हैं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हादसा: खड़े डंपर में जा घुसी कार, दो की मौत; प्रवेश परीक्षा देने जा रहे थे छात्र

परिवहन विशेष, नई दिल्ली। आज सुबह एक भीषण हादसा हो गया। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में एक कार खड़े डंपर में जा घुसी। हादसे में कार सवार एक की मौत और सात लोगों के घायल होने की सूचना मिली।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह हुए हादसे में चालक समेत दो लोगों को मौत हो चुकी है। कार में 11 बच्चे सवार थे जो दिल्ली जामिया इस्लामिया में छठी कक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा देने जा रहे थे। हादसे में दो बच्चों के मामूली चोट आई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बाकी बच्चों का अलग-अलग अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे में पलटे गए कैंटर के चालक और परिचालक भी घायल हैं। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार सवार मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में हादसा हो गया।

पुलिस का कहना है कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों से हादसे के बारे में जानकारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'आरटीई अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करता है, किसी विशिष्ट स्कूल में प्रवेश नहीं', दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि कानून द्वारा बच्चों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए दिया गया है न कि किसी विशिष्ट स्कूल में प्रवेश के लिए। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अगर किसी छात्र को ईडब्ल्यूएस श्रेणी में किसी कक्षा में दाखिला लेना है तो उसे शिक्षा विभाग में आवेदन करना होगा।

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट ने महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए दूसरी कक्षा में प्रवेश की मांग करने वाली आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी (ईडब्ल्यूएस) की छात्रा की ओर से दायर रिट याचिका खारिज कर दी।

अदालत ने कहा कि कानून द्वारा बच्चों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए दिया गया है, न कि किसी विशिष्ट स्कूल में प्रवेश के लिए। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अगर किसी छात्र को ईडब्ल्यूएस श्रेणी में किसी कक्षा में दाखिला लेना है तो उसे शिक्षा विभाग में आवेदन करना होगा।

इसके बाद कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ से विद्यार्थी का चयन होगा। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21ए या आरटीई अधिनियम की धारा 12 के तहत उपलब्ध अधिकार केवल 14 वर्ष आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का है, किसी विशेष स्कूल में ऐसी शिक्षा प्रदान करने का नहीं है।

स्कूल ने दाखिला देने से मना कर दिया

याचिकाकर्ता छात्रा जिया ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में दूसरी कक्षा में दाखिले के लिए आवेदन नहीं किया था। ऐसे में वह इस सत्र में स्कूल में दाखिले के लिए दावा नहीं कर सकती है। याचिकाकर्ता की मां ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए उन्होंने अपनी बेटी का ईडब्ल्यूएस श्रेणी में पहली कक्षा में दाखिला कराने के लिए शिक्षा निदेशालय में आवेदन किया था। निदेशालय ने उनकी बेटी को महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल आवंटित किया, लेकिन बार-बार प्रयासों के बावजूद उसे स्कूल ने दाखिला देने से मना कर दिया।

कानूनी रूप से लागू कराने का अधिकार

अदालत ने कहा कि जो विद्यार्थी किसी भी कारण से शिक्षा निदेशालय द्वारा स्कूल आवंटित किए जाने के बावजूद ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार के तौर पर स्कूल में प्रवेश पाने में विफल रहता है और इस संबंध में कोई कानूनी कार्रवाई किए बिना शैक्षणिक वर्ष समाप्त होने देता है तो वह इस आधार पर दावा नहीं कर सकता है कि इस आवंटन के बाद उनके पास अगले शैक्षणिक सत्र में उसी स्कूल में अगली कक्षा में प्रवेश को कानूनी रूप से लागू कराने का अधिकार है।

नेहरू स्टेडियम में लगा एस्ट्रोटर्फ, जल्द हॉकी खेल सकेंगे खिलाड़ी

खेलने के लिए इस पर अंतिम फिनिशिंग की जा रही है। बरसात में जलभराव से बचाने के लिए इसकी उंचाई जमीन से करीब ढाई फीट अधिक रखी गई है। खेल विभाग के उप निदेशक गिरिराज यादव ने एस्ट्रोटर्फ से जुड़ी जानकारी दी। उप निदेशक ने बताया कि यह मैदान 91.40 मीटर लंबा और 55 मीटर चौड़ा है। इसमें छह स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। यह 45 से 50 मीटर की दूरी कवर करते हैं।

गुरुग्राम। अब नेहरू स्टेडियम में हॉकी खेलते खिलाड़ी नजर आएंगे। सिविल लाइन स्थित नेहरू स्टेडियम में सात करोड़ से अधिक की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रोटर्फ मैदान तैयार किया गया है। जिला उपायुक्त निशांत यादव ने शुक्रवार को संबंधित जानकारी ली।

जिला उपायुक्त ने बताया कि बीते एक साल से नेहरू स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ लगाने का काम किया जा रहा था। अब यह पूरी तरह से तैयार हो गया है। खेलने के लिए इस पर अंतिम फिनिशिंग की जा रही है। बरसात में जलभराव से बचाने के लिए इसकी उंचाई जमीन से करीब ढाई फीट अधिक रखी गई है। खेल विभाग के उप निदेशक गिरिराज यादव ने एस्ट्रोटर्फ से जुड़ी जानकारी दी। उप निदेशक ने बताया कि यह मैदान 91.40 मीटर लंबा और 55 मीटर चौड़ा है। इसमें छह स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। यह 45 से 50 मीटर की दूरी कवर करते हैं। उन्होंने कहा कि एस्ट्रोटर्फ मैदान को लगातार पानी की आवश्यकता होती है। इसके लिए मैदान के पास पानी का टैंक बनवाया गया है। स्प्रिंकलर इतने पावरफुल हैं कि पूरे मैदान पर 7 से 10 मिनट में पानी से छिड़काव किया जा सकेगा। मैदान की तीन दिशाओं में करीब 35 से 40 खिलाड़ियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके चारों ओर 15 फीट की लोहे को जाली लगाई गई है।

जिला खेल अधिकारी रामनिवास ने बताया कि पूर्व में यहां हॉकी के 150 से अधिक खिलाड़ी अभ्यास करते थे। मौजूदा समय में केवल 80 खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते हैं। एस्ट्रोटर्फ के कारण यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान उपायुक्त ने मौके पर मौजूद खिलाड़ियों से खेल सुविधाओं का फीडबैक लिया। इसके बाद खेल अधिकारियों को वर्ष 2024-25 का खेल प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि खेलों के लिए पर्याप्त सामान व कोच उपलब्ध हों।

अवैध शराब की खेप पकड़ी

सूचना के आधार पर टीम द्वारा उपरोक्त स्थान पर नाकेबंदी की गई। कुछ समय बाद उक्त गाड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसको पुलिस टीम ने रोककर उसके चालक का नाम पता पूछा तो चालक ने अपना नाम अशोक कुमार पुत्र आईदान सिंह निवासी दुन्गारा जिला बाढ़मेर राजस्थाना बताया ।

गुरुग्राम। सीआईए नूंह प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए स्टाफ में तैनात सहायक उप-निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ गश्त में नूंह-सोहना रोड पर केएमपी पुल के नीचे मौजूद थे ।

उसी समय गुप्त सूचना प्राप्त हुई की एक गाड़ी ट्रक चालक अपने ट्रक में अवैध अंग्रेजी शराब भरकर बेचने के लिए केएमपी रोड कुण्डली से पलवल होते हुए बिहार जाएगा ।सूचना के आधार पर टीम द्वारा उपरोक्त स्थान पर नाकेबंदी की गई। कुछ समय बाद उक्त गाड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसको पुलिस टीम ने रोककर उसके चालक का नाम पता पूछा तो चालक ने अपना नाम अशोक कुमार पुत्र आईदान सिंह निवासी दुन्गारा जिला बाढ़मेर राजस्थाना बताया ।

नियमानुसार गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी में प्लाईवुड के नीचे अंग्रेजी शराब की अलग-2 मार्का की कुल 778 पेटी (9336 बोतल) अवैध शराब भरी हुई थी। कागजात मांगने पर चालक ने जोधपुर राजस्थान से सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल की बनी प्लाईवुड की एक फर्जी बिल बिल्टी पेश की और बरामद शराब के संबंध में कोई कागजात पेश नहीं कर सका। पुलिस ने अवैध शराब को कब्जे में लेकर थाना रोजकामेव में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर ट्रक चालक अशोक कुमार को नियमानुसार गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।

जेवरात कारोबारी की हत्या में दोषी को आजीवन कारावास

गुरुग्राम। 26 साल पहले इंदिरापुरम क्षेत्र में जेवरात कारोबारी जितेंद्र उर्फ जीतू की हत्या में दोषी उसके दोस्त महेश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश हीरालाल ने दोषी पर 31 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। केस के एक आरोपी सचिन के हाजिर नहीं होने पर अदालत ने उसे फरार घोषित कर नोटिस जारी किया है। जबकि तीसरे आरोपी राजीव की मुकदमे की विवेचना के दौरान मौत हो चुकी थी। दोषी को सजा दिलाने में जितेंद्र से लूटे गए सामान की बरामदगी अहम रही। लूट का विरोध करने पर जितेंद्र की हत्या उसके दोस्त महेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद्र शर्मा व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ममता गौतम ने बताया आठ जुलाई 1998 को इंदिरापुरम में न्यायखंड वाली डिवाइडर के पास एक युवक का शव पड़ा था। पुलिस की जांच में पता चला था कि मृतक युवक का नाम जितेंद्र उर्फ जीतू था। वह सोने चांदी और हीरों का कारोबारी था। जितेंद्र मूलरूप से मुंबई का रहने वाला था। उसकी पहचान अभियुक्त महेश से मुंबई में ही हुई थी। महेश के मामा मृतक जितेंद्र के पड़ोस में ही रहते थे। वहां जितेंद्र और महेश की आपस में दोस्ती हो गई। व्यापार के सिलसिले में जितेंद्र गाजियाबाद आए थे जितेंद्र के साथ लूटपाट करने के लिए अपने साथी राजीव तंवर व मुरादनगर निवासी सचिन के साथ मिलकर चाकुओं से हमला कर दिया। इसमें जितेंद्र की मौत हो गई। गाड़ी व जेवरात सहित अन्य सामान लूटकर भाग गए।

डॉक्टर समेत दो लोगों से चेन और फोन लूटा

गाजियाबाद। भोपुरा पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार लुटेरों ने बुधवार रात दस बजे जीटीबी अस्पताल के पूर्व जनरल फिजिशियन से सोने की चेन लूट ली। वह परिचित के साथ घर लौट रहे थे। दुकान से सामान खरीदकर लौटते समय लुटेरों ने झपट्टा मारकर चेन लूट ली। टीला मोड़ थाने में लूट का मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं, दो लुटेरों ने विक्रम एंक्लेव में एक युवक से फोन लूट लिया। पीड़ित ने लोगों की मदद से एक लुटेरे को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। शालीमार गार्डन पुलिस मुकदमा दर्ज कर भागे हुए लुटेरों की तलाश कर रही है।

भोपुरा लोनी-रोड की ऑक्सी होम्स सोसायटी के डॉ. दीपांकन पाठक दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में जनरल फिजिशियन रहे हैं। वह बुधवार रात दस बजे अपनी परिचित के साथ भोपुरा में पेट्रोल पंप के पास दुकान से सामान खरीदने गए थे। वह सामान लेकर गाड़ी के पास पहुंचे कि पीछे से बाइक से आए दो लुटेरों ने गले पर झपट्टा मारकर दो तोले की सोने की चेन लूट ली। एक लुटेरे ने हेलमेट पहना था जबकि दूसरे ने मास्क लगाया था। उन्होंने लुटेरों का पीछा किया लेकिन वे सिकंदरपुर चौकी की तरफ भाग गए। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। उन्होंने पुलिस को फुटेज के साथ लिखित शिकायत दी। दिल्ली सीमापुरी में रहने वाले कमाल खान ने बताया कि वह बुधवार को शालीमार गार्डन के विक्रम एंक्लेव गए थे। वहां से लौटते हुए फोन पर बात कर रहे थे। तभी बाइक सवार लुटेरों ने आईफोन 12 लूट

लिया। पीछा करके उन्होंने लोगों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया जबकि दूसरा फोन लेकर भाग गया। पकड़े गए आरोपी का नाम सलीम निवासी बेहटा हाजीपुर है। वह अपने दोस्त की बाइक से लूट करने आया था। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि डॉक्टर से लूट करने वाले लुटेरों की फुटेज से पहचान हो गई है। दूसरी घटना में भागने वाले आरोपी को जल्द पकड़ लेंगे। उसकी तलाश में टीम जगह-जगह दबिश दे रही है।

तिहाड़ में बंद अपराधी का नाम लेकर मांगी फिरौती, दो गिरफ्तार

योजना के अनुसार आरोपी महाबीर के भतीजे (नाबालिग आरोपी) ने वर्चुअल नंबर तैयार करके पीड़ित के पास फोन करके जेल में बंद अपराधी का नाम लेकर पैसे मांगने तथा पैसे ना देने की सूरत में जान से मारने की धमकी देने की वारदात को अंजाम दिया।

गाजियाबाद। पटौदी थाना क्षेत्र में तिहाड़ जेल में बंद अपराधी का नाम लेकर फिरौती मांगने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया मोबाइल फोन बरामद कर केस दर्ज कर लिया और कार्रवाई शुरु कर दी।

पुलिस के अनुसार पटौदी थाने में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि वह गाड़ी खरीदने-बेचने का काम करता है। बीती 26 मार्च को उसके पास एक विदेशी नंबर से कॉल आया था। जिसने अपने आपको तिहाड़ जेल में बंद अपराधी बताया। फोन पर उसने एक व्यक्ति को रुपये देने के लिए कहा। वहीं, रुपये नहीं देने की सूरत में जान से मारने की धमकी दी। मामले में पटौदी थाना प्रभारी एसआई अमित कुमार, फर्रुखनगर क्राइम ब्रांच प्रभारी एसआई ललित कुमार, मानेसर क्राइम ब्रांच पुलिस टीमों ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गांव गढ़ी महेश्वरी, रेवाड़ी से काबू कर लिया।

बालिग आरोपी की पहचान रेवाड़ी के गांव गढ़ी माहेश्वरी निवासी 35 वर्षीय महावीर के रूप में हुई। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि महावीर ने 30 हजार रुपये में एक पिकअप गाड़ी खरीदी थी। जिसे महावीर ने शिकायतकर्ता को वापस करते हुए रुपये भी ले लिए थे। इसी दौरान इन्हें जब पता चला कि शिकायतकर्ता के पास बड़ी गाड़ियां (फॉर्च्यूनर व स्कॉर्पियो) हैं तो आरोपी महावीर ने अपने भतीजे के साथ मिलकर शिकायतकर्ता को धमकी देकर उससे अनुचित तरीके से रुपये ऐंठने की योजना बनाई। योजना के अनुसार आरोपी महाबीर के भतीजे (नाबालिग आरोपी) ने वर्चुअल नंबर तैयार करके पीड़ित के पास फोन करके जेल में बंद अपराधी का नाम लेकर पैसे मांगने तथा पैसे ना देने की सूरत में जान से मारने की धमकी देने की वारदात को अंजाम दिया।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोकसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा ?

शराब घोटाले में केजरीवाल के पहले उनके दो स्तंभों पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह गिरफ्तार हो चुके हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं खारिज हो चुकी है। दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली से तीसरी बड़ी गिरफ्तारी केजरीवाल की हुई है।

उमेश चतुर्वेदी

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी हो, इसी बीच किसी राज्य के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हो और उस पर राजनीति ना हो, ऐसा संभव ही नहीं है। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी का दावा है कि इन गिरफ्तारियों के पीछे कोई राजनीति नहीं है। लेकिन राजनीति और लोक का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है, जो इन गिरफ्तारियों के पीछे राजनीति देख रहा है। मोदी विरोधी आईएनडीआईए गठबंधन में चूंकि केजरीवाल भी शामिल हैं, लिहाजा गठबंधन के नेता इन गिरफ्तारियों को सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक बताने-बनाने में जुट गए हैं। उनका एक ही सवाल है कि आखिर सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही ईडी या सीबीआई निशाना क्यों बना रहे हैं? बार-बार ऐसा कहकर एक तरह से मोदी विरोधी मोर्चे के नेताओं की कोशिश यह है कि इन गिरफ्तारियों को भ्रष्टाचार की बजाय सिर्फ राजनीति का रंग दिया जाए और इसके जरिए मोदी विरोधी वोटों की फसल काट ली जाये।

लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा संभव है? मोदी के उभार के बाद के दोनों संसदीय चुनावों में दिल्ली विधानसभा में अपार बहुमत रखने वाली आम आदमी पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। इस बार तो आम आदमी पार्टी ने उस कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया है, जिसके भ्रष्टाचार के विरोध में उसका समूचा अस्तित्व पनपता रहा। दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं, जिनमें तीन सीटों पर जहां कांग्रेस चुनाव लड़ रही है, वहीं आम आदमी पार्टी चार सीटों पर मैदान में है। पिछले दो आम चुनावों में आम आदमी पार्टी की स्थिति तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई थी। गठबंधन करके कांग्रेस और आम आदमी पार्टी-दोनों ने उम्मीद लगा रखी है कि दो आम चुनावों से जारी दिल्ली में उनका सूखा शायद कम हो जाए। केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले तक ऐसा नहीं लग रहा था कि विगत के दो चुनावों से इतर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इतिहास इस बार इतर होने जा रहा है। लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दोनों पार्टियों को सहानुभूति लहर उठने की उम्मीद है। उन्हें लगता है कि सहानुभूति की वजह से इस बार भारतीय जनता पार्टी के किले में सेंध लग सकती है।

शराब घोटाले में केजरीवाल के पहले उनके दो स्तंभों पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह गिरफ्तार हो चुके हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली से तीसरी बड़ी गिरफ्तारी केजरीवाल की हुई है। इसी केस में भारत राष्ट्र समिति की नेता और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता भी गिरफ्तार हैं। केजरीवाल को गिरफ्तार करने से पहले ईडी ने नौ बार समन देकर उन्हें बुलाया। लेकिन हर बार वे ईडी के सामने जाने से बचते रहे। केजरीवाल का राजनीतिक अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उनकी पैंतरेबाजी से साफ है कि राजनीति करने में वे पुराने से पुराने नेताओं पर भारी हैं। समन को अनदेखा करके एक तरह से वे इस मुद्दे को जिंदा रखने और इसके जरिए अपने लिए वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते रहे। गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा ना देकर भी केजरीवाल राजनीति कर रहे हैं। ईडी की हिरासत से ही वे दिल्ली के लिए दो आदेश जारी कर चुके हैं। पहले में जहां उन्होंने दिल्ली की सीवर व्यवस्था दुरूस्त करने का आदेश दिया है, वहीं उनका दूसरा आदेश स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त रखना है। दिल्ली में विपक्षी भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी इस पर हंगामा कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल को हटाने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई। जिसे हाईकोर्ट ठुकरा चुका है। इसके बावजूद नैतिकता के आधार पर भाजपा केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रही है। लेकिन केजरीवाल के खेमे के तर्क है कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को अपने पद से इस्तीफा दे ही देना होगा। इस तर्क के सहारे केजरीवाल मुख्यमंत्री के पद पर जमे हुए हैं।

हिरासत से आदेश देना और उसका आम आदमी पार्टी द्वारा भरपूर प्रचार किया जाना दरअसल केजरीवाल के प्रति सहानुभूति हासिल करने की प्रक्रिया का ही विस्तार है। भारतीय समाज भावुक होता है। इस भावुकता का फायदा हर राजनीतिक दल अपने तईं उठाते रहे हैं। इसी अंदाज में केजरीवाल परिवार भी आगे बढ़ रहा है। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के भावुकताभरे बयान भी इसका ही उदाहरण हैं। दरअसल इन कदमों से आम आदमी पार्टी दिल्ली के लोगों को यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि जेल में रहते हुए भी आम आदमी पार्टी प्रमुख सिर्फ दिल्ली के ही बारे में सोच रहे हैं। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बहाने सहानुभूति हासिल करना है।

इस बीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के एक बयान से दिल्ली सरकार की बर्खास्तगी को लेकर अटकलें तेज हो गईं। उपराज्यपाल ने यह कह दिया कि जेल से दिल्ली की सरकार नहीं चलने दी जाएगी। उपराज्यपाल के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की कोशिशों का जोरदार विरोध किया। वैसे माना यह जा रहा है कि यह विरोध भी आम आदमी पार्टी की रणनीति का ही हिस्सा है। ताकि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार को बर्खास्त कर दे। इससे केजरीवाल के पक्ष में जोरदार लहर उठ खड़ी होगी और मौजूदा आम चुनावों में आम आदमी पार्टी इसका फायदा उठा सकेगी।

वैसे भारतीय जनता पार्टी की ओर से केजरीवाल को दोषी बताने की खूब कोशिशें हो रही हैं। दिल्ली में विपक्षी दल होने के नाते उसकी यह जिम्मेदारी भी है। लेकिन यह भी सच है कि दिल्ली बीजेपी की यह कोशिश बहुत ज्यादा कामयाब नहीं है। दिल्ली का एक वर्ग ऐसा भी है, जो मानता है कि केजरीवाल को तंग किया जा रहा है। दिल्ली की बसों, मेट्रो आदि में ऐसी चर्चाएं सुनाई दे रही हैं। हालांकि एक तबका ऐसा भी है, जो मानता है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरे केजरीवाल भी भ्रष्ट हो गए हैं। केजरीवाल के प्रति सहानुभूति रखने वाले में उस वर्ग के लोग ज्यादा हैं, जिन्हें दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिल रहा है। हालांकि दिल्ली की खस्ताहाल बसें, व्यवस्था की ढिलाई आदि के चलते केजरीवाल सरकार से नाराजगी रखने वाला भी एक वर्ग है। जो इस गिरफ्तारी को जायज ठहरा रहा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी को नाजायज बताने में जुटी कांग्रेस की स्थित सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। लोग चुटकियां लेने से बाज नहीं आ रहे। लोगों का कहना है कि जिस कांग्रेस को भ्रष्टाचारी बताते-बताते केजरीवाल ने नष्ट कर दिया, वह भी उसकी ईमानदारी की गारंटी दे रही है। यही वजह प्रहसन का बिंदु है, जिसकी वजह से दिल्ली के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीद लगा सकती है। हालांकि इस प्रहसन के प्रभाव को कम करने की कोशिश में आम आदमी पार्टी ही नहीं, कांग्रेस भी प्राणपण से जुटी है। दिल्ली की काया पलटने वाली कांग्रेसी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कभी कहा करते थे कि वे केजरीवाल से अपनी मां के अपमान का बदला जरूर लेंगे। वह संदीप दीक्षित भी अब केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बताने लगे हैं। संदीप दीक्षित जैसों के बयानों को भाजपा के दिल्ली के लोकसभाई किले में सेंध लगाने की कोशिश का विस्तार मान सकते हैं।

दिल्ली के अपने छह सांसदों के टिकट भाजपा ने काट दिए हैं। सिर्फ मनोज तिवारी ही ऐसे हैं, जिन्हें तीसरी बार टिकट मिला है। भाजपा के इस कदम का आम आदमी पार्टी और कांग्रेस- दोनों भाजपा की नाकामी के रूप में दिखाने-जताने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मकसद यह है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उपजी सहानुभूति लहर को उभारते हुए भाजपा की नाकामी से जोड़ दिया जाए और उसका चुनावी फायदा उठाया जाए। दिल्ली में पांचवें दौर में 25 मई को चुनाव होना है। जिसमें काफी वक्त है। अभी तक तो कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान तक नहीं कर सकी है। ऐसे में चुनावी पानी की धार को लेकर फिलहाल कुछ कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन एक बात स्वीकार करनी होगी कि अगर केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सहानुभूति लहर बढ़ी तो दिल्ली का चुनावी इतिहास बदल सकता है। वैसे अब तक जैसी सहानुभूति है, उससे इतिहास बदलने की उम्मीद फिलहाल बेमानी है।

Maruti और Hyundai की इन 6 कारों का होगा BNCAP Test, कहीं आप भी तो नहीं बना रहे हैं खरीदने का प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

BNCAP क्रैश टेस्ट में सबसे पहले Tata Safari और Harrier SUV ने 5-स्टार हासिल किए हैं। Bharat NCAP क्रैश टेस्ट के लिए अब Maruti Suzuki Grand Vitara Maruti Suzuki Brezza Maruti Suzuki Baleno Hyundai Exter Hyundai Creta और Hyundai Tucson भेजी जाएगी। अगर आप इनमें से कोई कार खरीदना चाहते हैं या फिर खरीद लिया है तो इस आर्टिकल में हम आपको सेफ्टी फीचर्स बताने वाले हैं।

नई दिल्ली। BNCAP क्रैश टेस्ट में सबसे पहले Tata Safari और Harrier SUV ने 5-स्टार हासिल किए हैं। अब टेस्टिंग एजेंसी की ओर से दूसरे दौर के मूल्यांकन के लिए 3 मारुति और 3 हुंडई मॉडल सहित 6 कारों का क्रैश टेस्ट करने के लिए तैयार है। आइए, इन कारों के बारे में जान लेते हैं।

मारुति की ये फ्लैगशिप एसयूवी ग्लोबल-सी प्लेटफॉर्म पर निर्मित है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें, तो ये डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, ईएसपी, हिल होल्ड असिस्ट, सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और फोर्स लिमिटर और आईएसओफिक्स माउंट के साथ आती है। इसके अलावा ये 6 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा और हेड-अप डिस्प्ले के साथ आती है।

Maruti Suzuki Brezza

मारुति की सबसे पॉपुलर एसयूवी Brezza, भारत में क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली अगली कार है। ग्लोबल-सी प्लेटफॉर्म पर निर्मित, 2024 मारुति ब्रेजा में डुअल-फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, ईएसपी, हिल होल्ड असिस्ट, फोर्स लिमिटर्स के साथ सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और ISOFIX चाइल्ड सीट रेस्ट्रेंट सिस्टम मानक के रूप में उपलब्ध है।

Maruti Suzuki Baleno

सुजुकी के HEARTECT प्लेटफॉर्म पर निर्मित, 2024 मारुति बलेनो में डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी, सभी यात्रियों के लिए 3-पॉइंट सीट बेल्ट, फोर्स लिमिटर के साथ सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और आईएसओफिक्स एंकरेज जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

Hyundai Exter

उम्मीद है कि हुंडई एक्स्टर, बीएनसीएपी प्रोटोकॉल के तहत क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली ब्रांड की पहली कार होगी। हुंडई-किआ के K1 प्लेटफॉर्म पर निर्मित, नई एसयूवी में 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल स्टार्ट असिस्ट के साथ ईएससी, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल और सभी यात्रियों के लिए 3-पॉइंट सीट बेल्ट और फ्रंट सीट बेल्ट प्री-टेंशनर जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड रूप से दिए गए हैं।

Hyundai Creta

भारत की पसंदीदा एसयूवी की लिस्ट में शामिल हुंडई क्रेटा भारत एनसीएपी नियमों के तहत क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली अगली कार है। हाल ही में 2024 में अपडेट किया गया नया मॉडल कई सेफ्टी फीचर्स के साथ आता है। नई हुंडई वर्ना के हालिया प्रदर्शन के आधार पर, हम उम्मीद कर सकते हैं कि क्रेटा भी बेहतर सुरक्षा और सुरक्षा प्रदान करेगी।

Hyundai Tucson

Hyundai Tucson को लैटिन एनकैप टेस्ट हो चुका है, जबकि भारत में निर्मित मॉडल का अभी तक कोई क्रैश परीक्षण नहीं हुआ है। वैश्विक मॉडल को वयस्क सुरक्षा में 3-स्टार रेटिंग दी गई है। देखना ये होता है कि Bharat NCAP में ये कैसा परफॉरमेंस करने वाली है।

कार की इन्फोटेनमेंट स्क्रीन पर आ गए हैं स्क्रैच? इन तरीकों से मिनटों में हटाएं

टूथपेस्ट कार की टचस्क्रीन से खरोंच हटाने में उपयोगी हो सकता है। एक मुलायम कपड़ा या रुई लें और इसे थोड़ी मात्रा में टूथपेस्ट में डुबोएं। वाहन की स्क्रीन पर कपड़े या रुई के टुकड़े को धीरे-धीरे रगड़ें।इसके बाद टूथपेस्ट को हटाने के लिए स्क्रीन को मुलायम सूखे कपड़े से साफ करें। इसके अलावा भी स्क्रैच हटाने के कई विकल्प मौजूद हैं।

नई दिल्ली। मौजूदा समय में लगभर सभी कारों के अंदर टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होता है और ये मॉडर्न कारों के लिए यूएसपी बन चुका है। यूज करते-करते स्क्रीन पर उंगलियों के निशान और स्क्रैच आ जाते हैं। आइए इससे संबंधित कुछ जरूरी टिप्स जान लेते हैं। इनकी मदद से स्क्रीन को नुकसान पहुंचाए बिना स्क्रैच और दाग निकाले जा सकते हैं।

टूथपेस्ट यूज करें

टूथपेस्ट कार की टचस्क्रीन से खरोंच हटाने में उपयोगी हो सकता है। एक मुलायम कपड़ा या रुई लें और इसे थोड़ी मात्रा में टूथपेस्ट में डुबोएं। वाहन की स्क्रीन पर कपड़े या रुई के टुकड़े को धीरे-धीरे रगड़ें।इसके बाद टूथपेस्ट को हटाने के लिए स्क्रीन को मुलायम सूखे कपड़े से साफ करें। इससे इंफोटेनमेंट सिस्टम थोड़ा साफ दिखेगा।

बेकिंग पाउडर है अच्छा विकल्प

बेकिंग पाउडर टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले से खरोंच हटाने में उपयोगी हो सकता है। पर्याप्त मात्रा में बेकिंग पाउडर के साथ थोड़ी मात्रा में पानी मिलाएं। इसे तब तक मिलाएं जब तक यह पेस्ट न बन जाए। एक मुलायम कपड़ा लें और उसे पेस्ट में डुबोएं और फिर कपड़े को धीरे-धीरे घुमाते हुए स्क्रीन पर रगड़ें। एक बार हो जाने पर, एक साफ और मुलायम कपड़ा लें और बेकिंग सोडा और पानी के पेस्ट को स्क्रीन से पोंछ लें।

ऑयल से भी निकल जाते हैं स्क्रैच

एक मुलायम कपड़े को वनस्पति तेल में थोड़ा डुबोएं और इसे स्क्रीन पर धीरे से रगड़ें। करीब 10-15 मिनट तक रगड़ने के बाद एक साफ कपड़ा लें और स्क्रीन से तेल साफ करें। इसके लिए सामान्य तापमान वाले तेल का ही उपयोग करें, न कि बहुत गर्म या ठंडा।

अप्रैल में एंट्री मारेंगी ये 2 जबरदस्त SUV, नई कार खरीदने से पहले चेक करें डिटेल्स

Toyota और Skoda अगले हफ्ते भारत में नए मॉडल पेश करने की योजना बना रही हैं। टोयोटा अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी कूप Taisor लाएगा, जबकि स्कोडा की ओर से रिटर्निंग सुपर्ब को लॉन्च किया जाएगा। आइए, इन दोनों के बारे में जान लेते हैं।

Toyota Taisor

Toyota Urban Cruise Taisor अगले सप्ताहों में आधिकारिक मूल्य घोषणा से पहले 3 अप्रैल, 2024 को बाजार में अपनी शुरुआत करेगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी कूप अच्छी तरह से प्राप्त मारुति सुजुकी फ्रोंक्स का रीबैज्ड संस्करण है और इसे भारत में ब्रांड की सबसे किफायती एसयूवी के रूप में अर्बन क्रूजर हायराइडर के नीचे और ग्लैंजा के ऊपर रखा जाएगा।

टैसर में अपने डोनर की तुलना में मामूली एक्सटीरियर और इंटीरियर बदलाव होंगे। फीचर लिस्ट काफी हद तक समान होगी। इसमें 9 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एचयूडी, 360-डिग्री कैमरा, मल्टीपल एयरबैग, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल आदि की पेशकश की जाएगी। हमें उम्मीद है कि Taisor के साथ 1.2L पेट्रोल और 1.0L टर्बो पेट्रोल दोनों इंजन पेश किए जाएंगे।

Skoda Superb

स्कोडा भारत में सुपर्ब सेडान को फिर से पेश करने की योजना बना रही है और आधिकारिक लॉन्च 3 अप्रैल, 2024 के लिए निर्धारित किया गया है। ग्लोबल मार्केट में पहले से ही न्यू जेन सुपर्ब बेची जा रही है, लेकिन भारत में पुरानी पीढ़ी की एसयूवी ही बिकेगी।

चेक ऑटोमेकर पूर्ण आयात पर प्रति वर्ष 2,500 यूनिट के लिए होमोलॉगेशन छूट का लाभ उठाएगा, क्योंकि इसे सीबीयू मार्ग के माध्यम से लाया जाएगा। चौथी पीढ़ी की स्कोडा सुपर्ब अगले साल इसका अनुसरण कर सकती है और यह ग्राहकों के बीच दोबारा लॉन्च के स्वागत पर आधारित हो सकती है।

Kawasaki Ninja 650 और Vulcan S पर मिल रहा है 60 हजार तक का डिस्काउंट

Kawasaki Ninja 650 की कीमत 7.16 लाख रुपये एक्स-शोरूम है जबकि Vulcan S की कीमत 7.10 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। Kawasaki की इन दोनों बाइक्स में से किसी की भी खरीद पर अधिकतम 60 हजार रुपये तक का लाभ उठाया जा सकता है। ये ऑफर 1 मार्च से 31 मार्च तक लागू है। आइए इस ऑफर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Kawasaki India की ओर से Vulcan S और Ninja 650 की खरीद पर गुड टाइम्स वाउचर दिया जा रहा है। इस तरह कंपनी निंजा 650 को 60 हजार रुपये, जबकि वल्कन एस को 30 हजार रुपये की छूट पर बेच रही है। आइए, इस ऑफर के बारे में जान लेते हैं।

केवल 31 मार्च तक मिलेगी छूट

Kawasaki की इन दोनों बाइक्स में से किसी की भी खरीद पर अधिकतम 60 हजार रुपये तक का लाभ उठाया जा सकता है। हालांकि, ये ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वाउचर का लाभ केवल सीमित स्टॉक पर ही लिया जा सकता है और ये ऑफर 1 मार्च से 31 मार्च तक लागू है।

Vulcan S और Ninja 650 की कीमत

Kawasaki Ninja 650 की कीमत 7.16 लाख रुपये एक्स-शोरूम है, जबकि Vulcan S की कीमत 7.10 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। दोनों मोटरसाइकिलें समान 649 सीसी, लिक्विड-कूल्ड पैरेलल ट्विन इंजन का उपयोग करती हैं। हालांकि, इंजन को अलग-अलग हिसाब से ट्यून किया गया है।

परफॉरमेंस

परफॉरमेंस की बात करें, तो Ninja 650 का पावरट्रेन 8,000 आरपीएम पर 67 बीएचपी की अधिकतम पावर और 7,700 आरपीएम पर 64 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। इसके बाद वल्कन एस है, ये 7,500 आरपीएम पर 60 बीएचपी की अधिकतम पावर पैदा करती है जबकि 6,600 आरपीएम पर टॉर्क आउटपुट 62.4 एनएम है। दोनों मोटरसाइकिलों में 6-स्पीड गियरबॉक्स का उपयोग किया गया है।

2025 Hyundai Santa Cruz से New York Auto Show में उठा पर्दा, जानिए पहले से कितनी बदली

2025 Hyundai Santa Cruz को पावर देने वाला 2.5-लीटर डायरेक्ट-इंजेक्टेड इन-लाइन चार-सिलेंडर इंजन है जो 191 हॉर्सपावर और 245 एनएम का पीक टॉर्क देता है। यह 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। इसके अलावा बेहतर एर्गोनॉमिक्स के लिए सेंटर स्टैक कंट्रोल को फिर से डिजाइन किया गया है जिसमें आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले ऑडियो और एचवीएसी कार्यों के लिए अतिरिक्त फिजिकल स्विचगियर शामिल किया गया है।

नईदिल्ली। Hyundai ने हाल ही में New York Auto Show के अंदर 2025 Santa Cruz से पर्दा उठाया है। कंपनी ने कहा है कि ये गर्मियों में अमेरिकी डीलरशिप पर पहुंच जाएगी। नया अपडेट देते हुए सांता क्रूज के इंटीरियर और एक्सटीरियर में कई बदलाव किए गए हैं। इसे एक नए इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ एडास भी दिया गया है। आइए, अपडेटेड सांता क्रूज के बारे में जान लेते हैं।

डिजाइन और डायमेंशन

डिजाइन की बात करें, तो इसके फ्रंट फेशिया में बदलाव किए गए हैं। इसमें नई अपडेटेड ग्रिल, अलॉय व्हील और डे-टाइम रनिंग लैंप भी हैं। इंटीरियर को 2025 Hyundai Tucson के साथ साझा किया गया है, जिसे न्यूयॉर्क ऑटो शो में भी दिखाया गया था।

इंटीरियर और फीचर्स

इंटीरियर की बात करें, तो इसमें एक नया पैनोरमिक फोल्डेबल डिस्प्ले है जो वैकल्पिक 12.3-इंच ड्राइवर इंफोर्मेशन क्लस्टर और एक उपलब्ध 12.3-इंच ऑडियो-वीडियो नेविगेशन (एवीएन) सिस्टम को समायोजित कर सकता है।

इसके अलावा, बेहतर एर्गोनॉमिक्स के लिए सेंटर स्टैक कंट्रोल को फिर से डिजाइन किया गया है, जिसमें आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले ऑडियो और एचवीएसी कार्यों के लिए अतिरिक्त फिजिकल स्विचगियर शामिल किया गया है। व्यावहारिकता को बढ़ाने के लिए, हुंडई ग्लोवबॉक्स के ऊपर एक नया शेल्फ और दो कप होल्डर्स के साथ एक रियर सेंटर आर्मरेस्ट की पेशकश कर रही है। इंटीरियर में अन्य बदलाव एक नया थ्री-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और एयर वेंट हैं।

इंजन और परफॉरमेंस

2025 सांता क्रूज को पावर देने वाला 2.5-लीटर डायरेक्ट-इंजेक्टेड इन-लाइन चार-सिलेंडर इंजन है, जो 191 हॉर्सपावर और 245 एनएम का पीक टॉर्क देता है। यह 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है।

इसके बाद 2.5-लीटर, डायरेक्ट-इंजेक्टेड टर्बोचार्ज्ड इंजन है, जिसमें 281 हॉर्सपावर और 420 एनएम का पीक टॉर्क है। इसमें 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी मिलता है लेकिन टॉर्क कनवर्टर के बजाय यह डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन है। इस इंजन और ट्रांसमिशन कॉम्बो में गियरबॉक्स का मैनुअल कंट्रोल लेने के लिए स्टीयरिंग व्हील के पीछे पैडल शिफ्टर्स भी मिलते हैं और ऑफर पर एक नया टो मोड भी है।

भारत को अमरीका का हस्तक्षेप मंजूर नहीं

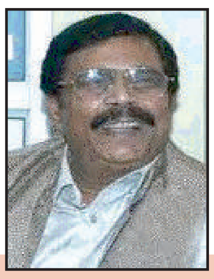

योगेंद्र योगी

भारत में ही चीन का मुकाबला करने की काबीलियत है। इसके अलावा अमरीका और भारत के व्यापारिक रिश्ते लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में घरेलू मामलों में अमरीका या किसी दूसरे पश्चिमी देशों की किसी तरह की टीका-टिप्पणी को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा...

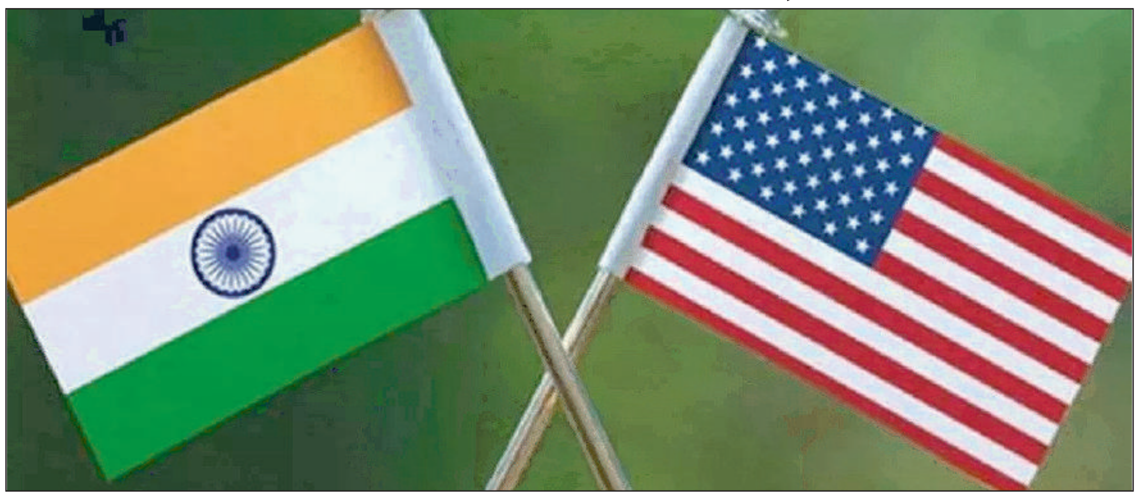

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में अमरीका को उसी के लहजे में सख्त जवाब देकर भारत ने बता दिया है कि भारत के अंदरूनी मामलों में किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वे मित्र देश ही क्यों न हों। कड़ा जवाब देकर भारत ने अमरीका को यह भी समझा दिया कि दोस्ती की आड़ में बांह मरोडऩे का प्रयास दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल सकता है। ऐसा करने पर भारत-अमरीका के रिश्तों पर फर्क पड़ सकता है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमरीका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किए जाने पर वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमरीका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमरीकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था, अमरीकी विदेश विभाग की टिप्पणी को अनुचित करार देते हुए कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमरीकी डिप्लोमैट ग्लोरिया बारबेना को तलब किया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानूनी कार्रवाई पर अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान गलत है। कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि देश एक-दूसरे के आंतरिक मसलों और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। अगर दो देश लोकतांत्रिक हों तो इसकी उम्मीद और बढ़ जाती है, नहीं तो अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। केजरीवाल मुद्दे पर अमरीका की तरफ से आए दूसरे बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमरीका के बयान पर भारत पहले ही आपत्ति जता चुका है। उसका ताजा बयान अवांछनीय है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी मुद्दे पर भारत ने अमरीका के साथ ही जर्मनी को करारा जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में न्याय प्रणाली स्वतंत्र है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्जवीलर को तलब किया। भारत ने जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में दखल और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने अमरीका की सुनने से इंकार कर दिया। इससे पहले अमरीका निवासी खालिस्तानी आतंकी गुरवंत सिंह पन्नू के मामले में भी भारत ने अमरीका को सख्त लहजे में समझाते हुए दर्शा दिया था कि भारत विरोधी कार्रवाई को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।

भारत की दोस्ती को अमरीका कमजोरी नहीं समझे। अमरीकी अफसरों ने दो भारतीय नागरिकों पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। निखिल गुप्ता और एक अनाम सरकारी अधिकारी पर यह आरोप लगाए थे। अमरीका का यह भी दावा है कि यही आरोपी हरदीप सिंह निज्जर के मर्डर की प्लानिंग में भी शामिल थे। इसको लेकर न्याय विभाग ने मैनहैटन अदालत में अभियोग (आरोप पत्र) दर्ज किया था। भारत ने इस मुद्दे पर करारा जवाब देते हुए अमरीका को अपनी जमीन से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित करवाने का आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा और अमरीका को कड़ा जवाब दिया था। हालांकि इस मुद्दे पर अमरीका ने सीधे कोई हस्तक्षेप नहीं किया। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो के निज्जर की हत्या करवाने के आरोपों को खारिज करते हुए करीब दो दर्जन से ज्यादा डिप्लोमेट को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपनी बदली हुई विदेश नीति से वाकिफ भी करा दिया था। भारत के ऐसे सख्त रवैये से कनाडा भौंचक्का रह गया। टूडो ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत ऐसा रवैया भी अख्तियार कर सकता है। भारत ने कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। भारत पर लगाए निज्जर की हत्या के आरोपों को कनाडा साबित नहीं कर सका। केवल सिक्ख वोट बैंक पाने के लिए कनाडा ने भारत पर यह आरोप लगाया था।

इसी तरह भारत ने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप को लेकर तुर्की की भी खिंचाई की थी। कश्मीर के मुद्दे पर भारत-तुर्कीये एक बार फिर से आमने-सामने आ गए थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र में तुर्किये ने कश्मीर में मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाया और भारत को घेरने का प्रयास किया था। हालांकि, राइट टू रिप्लाई के तहत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने तुर्किये को जवाब देते हुए कहा कि हमें दुख है कि तुर्किये ने भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी की। उम्मीद है कि वह आगे इस तरह के गैर-जरूरी बयान से बचेगा। वैसे तुर्किये द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाना कोई पहला वाक्या नहीं है। तुर्किये पहले भी कई बार कश्मीर का राग अलाप चुका है। भारत ने हर बार तुर्की को इसी तरह जवाब दिया है। आश्चर्य की बात यह है कि अमरीका की पूरे विश्व में अब कोई नहीं सुन रहा है। इजराइल ने भी अमरीका को अनसुना करके हमास से युद्धविराम करने से साफ इंकार कर दिया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के मामले में अमरीका की नीति विफल साबित हुई। फ्रांस ने साफ कह दिया कि वह अमरीका का पिछलग्गू नहीं बनेगा। हालत यह है कि अमरीका अपना घर संभालने के बजाय दूसरे मुल्कों में टांग अड़ाने से बाज नहीं आ रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने एक बयान में कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक और 6 चाहते हैं।

यह बयान ट्रंप के द्वारा शनिवार को दिए गए बयान के बाद आया है, जिसमें ट्रंप ने खून-खराबे का जिक्र किया था। इस बयान की निंदा करते हुए प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि अमरीका के नागरिक ट्रंप को इस नवंबर में एक और चुनावी शिकस्त देने जा रहे हैं, क्योंकि वे उनके उग्रवाद, हिंसा के प्रति लगाव और बदला लेने की उनकी प्यास को लोग खारिज करते रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने उस वक्त बयान दिया, जब उन्होंने अमरीका के बाहर बनी कारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का वादा किया। ओहियो के डेटन के पास एक रैली को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि हम लाइन में आने वाली हर एक कार पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने जा रहे हैं।

अगर मैं नहीं चुना गया, तो देश में खून-खराबा होगा। अमरीका को यह समझना होगा कि बदली वैश्विक परिस्थितियों में भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर रहा है। यही वजह है कि भारत इंडिया फस्र्ट की नीति के तहत विदेश नीति पर अमल कर रहा है। अमरीका की मजबूरी चीन के मामले में भारत को साथ लेने की है। भारत में ही चीन का मुकाबला करने की काबलियत है। इसके अलावा अमरीका और भारत के व्यापारिक रिश्ते लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में घरेलू मामलों में अमरीका या किसी दूसरे पश्चिमी देशों की किसी तरह की टीका-टिप्पणी को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

संपादक की कलम से

जहां तक कानून ने देखा

पर्यटन की महफिल में मुसीबतों के पहाड़ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, फिर भी अदालती संज्ञान की वजह से हम देख पाते हैं कि कितना काम बाकी और सरकार की हर एजेंसी को इस दिशा में कैसे सोचना होगा। माननीय उच्च न्यायालय ने फोरलेन के किनारे पर मलबे के टीले देखते हुए इन्हें तुरंत प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह कालका-शिमला फोरलेन मार्ग का परिदृश्य है जिसे कानून ने देखा तो खामियां संबोधित हो गईं, वरना इन मंजिलों से रोजाना व्यवस्था लांघ कर भी अनजान है। कालका-शिमला फोरलेन को हाई कोर्ट ने जिस तरह परखा, उस पड़ताल के सबूत हर छोटे-बड़े मार्ग पर डराते हुए मिल जाएंगे। रास्ते की चौड़ाई पर मलबों के ढेर लगे हैं, हकीकत में चारों ओर यही हाल है। माननीय अदालत ने कीरतपुर-मनाली फोरलेन के किनारे आराम से बसे हुए अवैध निर्माण को हटाने के भी निर्देश दिए हैं। आश्चर्य यह कि ऐसे विषय प्रशासन की छाती पर तने हैं, फिर भी कानून को ही हर बार बताना और बुलाना पड़ता है। अवैध कब्जाधारी इतने सशक्त और निर्भय हैं कि सामान्य परिस्थितियों में ऐसा कसूर भी बेकसूर है। हमारी नीतियां, शासन पद्धति की बारीकियां और कार्य संस्कृति इस कद्र की जुगलबंदी में शरीक हैं कि अतिक्रमणकारी अब विशेषाधिकारी हो चुके हैं। सरकारी विकास के मार्ग पर अतिक्रमण के पंजे इतने भारी हैं कि हर परियोजना के विरोध में एक दुकानदारी चली है।

हिमाचल में विशेष आर्थिक जोन की हर वकालत के विरोध के पीछे अतिक्रमणकारी शक्तियां रही हैं और ये व्यवस्थागत व सियासी शरण में सुरक्षित हैं। हर स्थानीय निकाय के जुर्म में उन्हीं के सदस्य अपना बचाव करते हुए जमीन से संपत्तियों तक कब्जा करते रहे। धर्मशाला के कचहरी अड्डे के करीब स्मार्ट रोड की हर लंबाई और चौड़ाई पर एक दुकान खड़ी है, लेकिन शहर को फुर्सत नहीं कि इस अतिक्रमण की विरासत का विरोध करे। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन तथा प्रशासनिक शहरों के ऊपर अतिक्रमण के पांव चल रहे हैं, लेकिन नागरिक समाज इससे प्रेरित होकर खुद भी अवसर ढूंढ रहा है। विकास का संघर्ष नागरिक समाज से भी कहीं अधिक अतिक्रमण से है। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के मामले में भी यही तथ्य सामने आया, तो सरकार ने पहली बार अवैध निर्माण के गले में भी मुआवजे का हार डाल दिया। अतिक्रमण के घूमते फिरते दैत्य अब वाहन बने हैं। आप सडक़ें चौड़ी करते जाइए, लेकिन गांव से शहर तक वाहनों के कब्जे में सारी व्यवस्था ध्वस्त है, इसलिए अगर हाई कोर्ट डीसी कुल्लू को पार्किंग व्यवस्था पर निर्देश दे रहा है, तो यह हुक्म हर शहर की योजना में झांक रहा है। वास्तव में हम यानी नागरिक समाज महज खिलौना है, जो यदा कदा अदालती निर्देशों में अपनी किस्मत के चिराग ढूंढता है। प्रदेश ने आज तक पार्किंग के लिए कोई नीति नहीं बनाई। प्रदेश में पंजीकृत 22 लाख वाहनों के अलावा इतने ही अगर बाहरी राज्यों से जुड़ रहे हैं, तो इसका अर्थ पार्किंग को दीनहीन बनाने से तभी रोक सकता है, यदि सरकार त्वरित विचार करे।

हर शहर की चारों दिशाओं में चार मैदान बनाकर, नालों का चैनलाइजेशन करते हुए इनके ऊपर पार्किंग स्थल बना कर या मलबे को दूरगामी परियोजना के तहत आकार देते हुए समाधान ढूंढा जा सकता है। अगर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग शुल्क लगाया जाए तो बाईस लाख वाहनों से मात्र हजार-हजार रुपया वसूल कर भी हम सवा दो सौ करोड़ की पार्किंग परियोजनाओं को अमलीजामा पहना सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में दर्जन भर ट्रांसपोर्ट नगर बसा कर तथा हर शहर में महापार्किंग परिसर विकसित करके निजात पा सकते हैं। माननीय अदालत की चिंताओं में पर्यटक सहूलियतों का जिक्र व प्रदेश की छवि का गंभीर प्रश्न उभरता है। कहने को हम पांच करोड़ पर्यटकों की राह देख रहे हैं, लेकिन क्या हम इस आवाजाही में वाहनों की कतार व रफ्तार का अंदाजा लगा रहे हैं।

चर्चा

जांच होनी चाहिए महाराज'

जांच होनी ही चाहिए महाराज। मेरा पड़ोसी नई आलीशान कार खरीद कर ले आया है। उसकी तनख्वाह तो मेरी तनख्वाह से भी आधी है। मैं तो सेकंड हैंड गाड़ी भी नहीं खरीद पा रहा हूं, जबकि वह इतनी महंगी कार खरीद लाया है। उसके पास इतने पैसे कहां से आए, इसकी जांच तो होनी ही चाहिए। जांच एजेंसियों को उसे पूछताछ के लिए तलब किया जाना चाहिए। इससे जांच एजेंसी को भी काम मिल जाएगा और यह भी पता चल जाएगा कि पड़ोसी की आमदनी के सोर्स तनख्वाह के अलावा और क्या-क्या हैं। सबसे बड़ी बात यह होगी कि मेरे कलेजे को ठंड पड़ जाएगी। अभी उसकी चमचमाती कार उसके घर के आगे खड़ी देखकर मेरे कलेजे में जलन हो रही है। मैं तो वैसे भी जांच का जन्मजात हिमायती रहा हूं। जब देश में किसी न किसी की जांच चलती रहेगी तो इससे पता चलेगा कि देश चल रहा है और जांच एजेंसियां भी कुछ न कुछ कर रही हैं। जब जांच चलना बंद हो जाएगी तो जांच एजेंसियां निठल्ली बैठकर क्या करेंगी? यह लाख टके का सवाल है। मैं तो चाहता हूं कि इस मुल्क में जो कुछ भी हो रहा है या नहीं हो रहा है, उसकी भी बाकायदा जांच चलती रहनी चाहिए। मसलन किस जनसेवक ने देश सेवा के नाम पर देश को कहां-कहां, कैसे-कैसे और कितना कितना चूना लगाया। अपनी नालायक औलाद को कहां-कहां फिट करवाया। कितने गुंडे, मवालियों को थानों से छुड़वाया, कितने विरोधियों को पिटवाया? कितनी जांच रिपोर्टों को रद्दी में फेंकवाया? समाज सेवा करते हुए किस जन सेवक ने कितनी चांदी काटी? कितनी डीलें की?

कितने घपले किए? कितने दो नंबर के कामों को अंजाम दिया? इसकी बराबर जांच होती रहनी चाहिए। यही नहीं, जांच इस बात की भी होनी चाहिए कि जब मुल्क के सदनों में आपराधिक छवि के लोग जीतकर आ रहे हैं तो स्वच्छ छवि वाले माननीय सभासद अपना टाइम पास कैसे करते हैं या फिर स्वच्छ छवि के सभासदों के बीच बैठकर अस्वच्छ छवि वाले माननीयगण क्या महसूस करते हैं? और इन छवियों के संगम में मुल्क के लोकतंत्र की क्या छवि दिखती है? इसके अलावा जांच यह भी होनी चाहिए कि मुल्क के खजाने की असली चाबी किसके पास होती है- सरकार के पास, नेताओं के पास, धन्ना सेठों के पास, अफसरों के पास या फिर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पास? जांच यह भी होनी चाहिए कि इस खजाने से निकला पैसा कहां जाता है? गरीबों के कटोरे में? नेताओं और अफसरों के लाकरों में? ठेकेदारों के बंगलों में या फिर स्विस बैंकों में?

जब जांचें चलती रहेंगी तो पब्लिक को भी पता चलता रहेगा कि सरकार भी अपना काम कर रही है और जांच एजेंसियां भी अपना काम कर रही हैं। दोनों में से कोई भी निठल्ला नहीं बैठा है। जब पब्लिक को ऐसी फीलिंग आएगी तो पब्लिक महंगाई के थपेड़े भूल जाएगी। राजनीतिक दलों के चुनावी वायदे भूल जाएगी। नेताओं की बेवफाई भूल जाएगी। जनता यह सोचकर संतुष्ट हो जाएगी कि सरकारें कुछ और करें न करें, लेकिन जांच करवाने के मामले में बहुत एक्टिव मोड में रहती हैं। विपक्ष सरकार के घोटालों की जांच की मांग करता है और सरकार विपक्ष के नेताओं के घोटाले की जांच में जुट जाती है। टीवी पर लाइव डिबेट होती रहती है। सोशल मीडिया में हलचल रहती है। पब्लिक व्हाट्सएप चेक करती रहती है कि देखिए अब किस नए नेता की जांच खुल रही है?

रमेश पठानिया

अब कंगना का मुकाबला प्रतिभा सिंह से

कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर व शिमला, चारों लोकसभा क्षेत्रों में 1 जून 2024 को चुनाव होंगे। शायद यह तिथि हिमाचल में दूरगामी क्षेत्रों के मौसम को ध्यान में रखकर तय की गई है। बहरहाल, मंडी संसदीय सीट पर प्रतिभा सिंह के चुनाव लडऩे की ताजा घोषणा के कारण अब यहां कांटे की टक्कर होगी...

लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद हिमाचल में जो सीट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बन गई है, वह है छोटी काशी, यानी मंडी, क्योंकि यहां से पिछली लोकसभा में सांसद रहीं कांग्रेस पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राजा वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने यह चुनाव लडऩे में अपनी असमर्थता जताई थी, हालांकि बाद में हाईकमान ने तय किया तो वह चुनाव लडऩे को राजी हो गईं। इससे पहले चुनाव न लडऩे का कारण उन्होंने यह बताया कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता खुश नहीं हैं और केवल सांसद निधि के बंटवारे से विकास नहीं होता, न ही उसके बलबूते पर चुनाव ही जीते जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पांचवीं सूची में लोकसभा के और उम्मीदवारों के नाम जारी किए, जिनमें टेलीविजन धारावाहिक रामायण के राम अरुण गोविल और मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत भी हैं। अरुण गोविल मेरठ से चुनाव लड़ेंगे। अब जबकि यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी की मंडी संसदीय सीट के लिए कंगना रनौत प्रत्याशी होंगी, तो यह बात साफ है कि मुकाबला कड़ा होगा, अगर कांग्रेस कोई मजबूत प्रत्याशी उनके मुकाबले में चुनाव में उतारती है।

प्रतिभा सिंह तैयार हैं चुनाव लडऩे को, तो मुकाबला निश्चित रूप से तगड़ा होगा। उधर कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज और देश के प्रति अपने प्रेम को सोशल मीडिया में समय-समय पर जाहिर करती रहती है। मनाली में भी उनका घर है। कभी-कभार छुट्टियों में अपनों से मिलने आती हैं। हिमाचल की बेटी कंगना रनौत का नाम जैसे ही लोगों को पता चला, सोशल मीडिया पर तरह-तरह के पोस्ट आने लगे। कांग्रेस की महिला प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने अभद्र पोस्ट डालकर खलबली मचा दी। इस पोस्ट का एक्स पर घोर विरोध हुआ। थोड़ी देर में इस आपत्तिजनक पोस्ट को हटा दिया गया। मंडी लोकसभा सीट बहुत सालों से हिमाचल के लिए बहुत प्रतिष्ठित सीट रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता पंडित सुखराम का गढ़ रही यह सीट, जिन्हें हराना नामुमकिन था, फिर राजा वीरभद्र सिंह और प्रतिभा सिंह यहां से कांग्रेस पार्टी के सांसद रहे। 1977 में गंगा सिंह जनता पार्टी और बाद में भारतीय जनता पार्टी से महेश्वर सिंह और रामस्वरूप शर्मा सांसद रहे। मंडी लोकसभा सीट मंडी से शुरू होकर लाहुल-स्पीति में खत्म होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस संसदीय क्षेत्र में 1359497 मतदाता हैं (690534 पुरुष और 668963 महिला)। जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में 102108 सबसे ज्यादा मतदाता हैं और लाहुल-स्पीति विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 25732 मतदाता हैं। पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले युवा निश्चय ही कंगना रनौत को मत देंगे, लेकिन हो सकता है मंडी में शहर के लोग, जो बरसों से कांग्रेस पार्टी के पक्ष में वोट डाल रहे हैं, उन्हें अभिनेत्री होने का लाभ न दें। कांग्रेस पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह का चुनाव न लडने का फैसला शायद पार्टी की आंतरिक कलह का नतीजा था। पार्टी के 6 विधानसभा सदस्यों का पार्टी के प्रति अविश्वास और आपसी मतभेद भी हैं। अगर इस बार वह चुनाव लड़ती तो नहीं जीत पाती, यह उन्हें लगने लगा था। स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह के प्रति लोगों के सहानुभूति के वोट नहीं मिलते। लेकिन अब प्रतिभा सिंह की हां के कारण मुकाबला रोचक हो गया है और स्थिति पलट गई है। कंगना रनौत का नाम घोषित हो जाने के बाद अधिकतर लोगों को यह मुकाबला जिससे भी होगा, एकतरफा लगने लगा था। उन्हें लगता था कि वह भारी बहुमत से यह चुनाव जीत जाएंगी, क्योंकि बाकी तीनों सीटों पर भी भारतीय जनता पार्टी के मजबूत उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसा पार्टी का मानना है।

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हिमाचल के प्रति हमेशा उदार रहे हैं। हिमाचल भी चाहेगा कि चारों सीटें उन्हें उपहार के रूप में दी जाएं। उधर काशी से देश के प्रधानमंत्री तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले दस सालों में उन्होंने वाराणसी की काया पलट दी है। कंगना रनौत अपनी बात सीधे कहना जानती हैं। हिमाचल में उनकी काफी फैन फोल्लोविंग है। इंस्टाग्राम पर उनके करीब दस मिलियन फॉलोवर्स हैं। सोशल मीडिया भी इस चुनाव में उनकी मदद करेगा। उनके नाम की घोषणा के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश होगा या नहीं, यह तो आने वाला समय बताएगा, जहां-जहां भी फिल्मी सितारों ने चुनाव लड़ा या जीता है, उनमें अधिकतर सफल नहीं हुए। स्मृति ईरानी ने भले ही इसे गलत साबित किया। लेकिन धर्मेंद्र, सन्नी देयोल व विनोद खन्ना अपनी छाप नहीं छोड़ पाए। मथुरा से हेमामालिनी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। कंगना रनौत हमेशा अपनी बेबाकी के लिए चर्चा में रहती हैं। लेकिन चुनाव का गणित अलग होता है और जमीन से जुड़े रह कर काम करना होता है। क्या हिंदी सिनेमा की क्वीन यह सब कर पाएंगी?

क्या संगठन के हर कार्यकर्ता का समर्थन जुटा पाएंगी? क्योंकि कंगना रनौत अचानक पार्टी में आई हैं, संगठन में अधिकतर ऐसी बातों का स्वागत नहीं होता। कंगना रनौत को मंडी संसदीय क्षेत्र में प्रचार-प्रसार के लिए बहुत दुर्गम जगहों पर जाना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें तैयार रहना होगा। हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं में ही हिमाचल की चारों लोकसभा सीटों को लेकर काफी उत्साह है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर चाहते हैं कि वह मंडी संसदीय सीट कांग्रेस से वापस ले लें। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा हिमाचल की चारों सीटों पर विजय चाहते हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का हिमाचल प्यार तो जगजाहिर है। उनकी रैलियां और संबोधन तथा दस साल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा हिमाचल में किए गए काम यह जीत निश्चित करेंगे। कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर व शिमला, चारों लोकसभा क्षेत्रों में 1 जून 2024 को चुनाव होंगे। शायद यह तिथि हिमाचल में दूरगामी क्षेत्रों के मौसम को ध्यान में रखकर तय की गई है। 4 जून को 18वीं लोकसभा चुनावों के नतीजे निकलेंगे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के निहितार्थ

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अंततः गिरफ्तार कर लिए गए। उन्हें दिल्ली में हुए शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक यात्रा अन्ना हजारे के शिष्य के तौर पर शुरू की थी। उनकी गिरफ्तारी पर अन्ना हजारे ने जो कहा, उसका सार है कि उसे उसके कर्मों का फल मिला। उनके एक अन्य पूर्व सहयोगी कुमार विश्वास, जिनका दावा है कि वह केजरीवाल की रग-रग जानता है, की टिप्पणी है कि जैसा पेड़ बोया वैसा फल खाया। इसे केजरीवाल के जीवन का सर्वाधिक विरोधाभास ही कहा जाएगा कि उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा कट्टर ईमानदार होने के नारे के साथ शुरू की थी और उनकी गिरफ्तारी कट्टर भ्रष्टाचार के मामले में हुई। तथाकथित भ्रष्टाचार भी लोगों को शराब सप्लाई करने के मामले का, जिसका उल्लेख अन्ना हजारे ने भी किया कि मेरे साथ तो वह शराब हटाने की बात करता था और अब 'शराब फैलाने' लगा। दरअसल केजरीवाल को अपने पकड़े जाने का अंदेशा उसी दिन हो गया था जिस दिन उनके एक मंत्री सत्येन्द्र जैन इसी केस में पकड़े गए थे और तमाम कानूनी दांवपेचों के बाद भी नहीं छूटे। यह अंदेशा उस दिन खतरा बन गया जब उनकी सरकार के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इसी शराब के केस में पकड़े गए और अभी तक जेल में हैं। इस खतरे पर मोहर उनके एक दूसरे सहयोगी सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी ने लगा दी। शुरू में केजरीवाल को लगता था कि उनके पकड़े गए सहयोगियों की जल्दी ही जमानतें हो जाएंगी और कानून के हाथ उन तक नहीं पहुंच पाएंगे। लेकिन जब इनको जेल में बैठे साल से भी ज्यादा होने लगा तो केजरीवाल समझ गए कि शराब घोटाला उनके गले की फांस बन गया है।

इसी भय के कारण उनकी हरकतें किसी डरे हुए आदमी की तरह होने लगी थीं। डरा हुआ आदमी किसी भी तरह राहत पाने के लिए बार-बार कचहरी की ओर भागता है। वैसे भी बड़े-बड़े वकील विश्वास दिला ही देते हैं कि केस में कुछ नहीं है, आपका कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। राम जेठमलानी इसके बारे में एक कथा सुनाया करते थे। जिज्ञासा हो तो गूगल में खोजें। वैसे शक तब भी बढ़ गया था जब उनके वकील के कानूनी तर्क यह भी होने लगे थे कि केजरीवाल अपनी कमीज पैंट के अंदर नहीं डालते। वे खांटी आम आदमी हैं। लेकिन साथ ही यह भी बताते रहे कि मुख्यमंत्री भी हैं, इसलिए उनके पास गिरफ्तार होने के लिए समय नहीं है। वे लगातार जनता की सेवा में लगे हैं। लेकिन कानून तो मुख्यमंत्री के लिए भी वही है जो आम आदमी के लिए है। इसी कानून के चलते लालू यादव, ओम प्रकाश चौटाला बरसों जेल में रहे। उनके पास तो जनता की सेवा करते समय भी जेल जाने का समय था, लेकिन केजरीवाल को जब भी कानून का समन आता था तो वे कभी होली, कभी दिवाली का बहाना बना कर जाने से इन्कार कर देते थे। पहले तो वे यही कहते रहे कि किसी को भी मुझे समन करने का अधिकार ही नहीं है। फिर कहने लगे जिसने जो पूछना हो, मुझसे वर्चुअली पूछ लें। कानून को अपने दरवाजे तक आने से रोकने के लिए उन्होंने हर तरीका इस्तेमाल किया। लेकिन जिस शराब घोटाले में वे घिरे हुए थे, उस शराब की गंध उनका पीछा नहीं छोड़ रही थी। छोड़ती भी कैसे, जब एक बोतल खरीदने पर दूसरी बोतल मुफ्त में मिल रही थी। कहा भी गया है मुफ्त की शराब तो काजी को भी हलाल होती है। इसी मुफ्त की शराब ने 'दिल्ली के इस काजी' को भी नंगा कर दिया जो कभी भ्रष्टाचार की शराब को हाथ तक न लगाने की कसमें खाता था। लेकिन एक और मामला सचमुच चिंतित करता है। जर्मनी ने भारत सरकार को कहा है कि अरविंद केजरीवाल को न्याय मिलना चाहिए। भारत सरकार को दिल्ली स्थित उनके काऊंसलर को कहना पड़ा कि भारत की न्याय व्यवस्था संविधान से चलती है।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री

"जब तक अन्ना हजारे या दूसरे लोग कुछ समझ पाते, तब तक खेला हो चुका था। आम आदमी पार्टी बन गई थी। उसने लोकसभा के चुनावों में प्रायः हर सीट पर अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया था। खुद वाराणसी में नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़े हो गए और उसके दूसरे साथी कुमार विश्वास अमेठी में ताल ठोकने लगे। लेकिन यह प्रयोग सफल नहीं हुआ'

आने वाला है नए वित्त वर्ष का पहला IPO, जानिए ग्रे मार्केट में क्या चल रहा है Bharti Hexacom का भाव

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2024-25 का पहला आईपीओ आना वाला है। यह भारती एयरटेल की सब्सिडियरी Bharti Hexacom का होगा। भारती हेक्साकॉम में भारती एयरटेल की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस आईपीओ की शेयर मार्केट में 12 अप्रैल तक लिस्टिंग हो सकती है। आइए जानते हैं कि भारती हेक्साकॉम का आईपीओ कब खुलेगा इसे कब तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा और इसका ग्रे मार्केट में क्या भाव चल रहा है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीने से शेयर बाजार में आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की भरमार रहती थी। लेकिन, अगले हफ्ते सिर्फ एक आईपीओ आने वाला है। टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज भारती एयरटेल की सब्सिडियरी भारती हेक्साकॉम लिमिटेड का यह आईपीओ नए वित्त वर्ष यानी 2024-25 का पहला आईपीओ भी होगा।

आइए जानते हैं कि यह आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए कब खुलेगा और इसके जरिए कंपनी कितनी रकम जुटाना चाहती है।

3 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा आईपीओ

भारती हेक्साकॉम का 3 अप्रैल को ओपन होगा और रिटेल इनवेस्टर इसे 5 अप्रैल तक सब्सक्राइब कर सकेंगे। इस इश्यू से कंपनी का इरादा 4,275 करोड़ रुपये जुटाने का है। यह ऑफर फॉर सेल (OFS) होगा। इसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक 4,275 करोड़ रुपये की वैल्यू वाले साढ़े 7 करोड़ शेयर बेच रहे हैं।

इस आईपीओ में कितना पैसा लगा सकते हैं आप?

भारती हेक्साकॉम IPO के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 26 शेयर के लिए आवेदन करना पड़ेगा। प्राइस बैंड 542 से 570 रुपये प्रति शेयर है।

अगर आप IPO के अपर प्राइस बैंड यानी 570 रुपये के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो आपको 14,820 रुपये देने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 338 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं। इसमें आपको कुल 192,660 रुपये का निवेश करना होगा।

ग्रे मार्केट में क्या है भारती हेक्साकॉम का हाल?

हेक्साकॉम के आईपीओ को ग्रे मार्केट में काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिलहाल, इसका भाव 6.47 प्रतिशत यानी 37 रुपये के प्रीमियम पर पहुंच गया है। मतलब कि इसकी लिस्टिंग 607 रुपये पर हो सकती है।

आईपीओ में अलॉटमेंट 8 अप्रैल तक हो जाने की उम्मीद है। वहीं, 12 अप्रैल तक एनएसई और बीएसई पर इसकी लिस्टिंग हो सकती है।

क्या करती है भारती हेक्साकॉम??

भारती हेक्साकॉम टेलीफोन और ब्रॉडबैंड सर्विस उपलब्ध कराती है। इसका आधार खासकर पूर्वोत्तर के राज्यों में हैं। जैसे कि अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा। राजस्थान में इसके अच्छे खासे ग्राहक हैं। पिछले साल के आखिर तक कंपनी के पास 2.7 करोड़ से अधिक ग्राहक थे।

Bharti Hexacom की वित्तीय सेहत कैसी है?

पिछले वित्त वर्ष 2023 में भारती हेक्साकॉम के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 67.2 प्रतिशत की गिरावट आई। यह 549.2 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इस दौरान रेवेन्यू 22.3 प्रतिशत बढ़कर 67.19 करोड़ रुपये हो गया।

लगातार पांचवें हफ्ता बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार, 14 करोड़ डॉलर बढ़कर नए उच्च स्तर पर पहुंचा

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते इजाफा हुआ है। आरबीआई की ओर से जारी डेटा के अनुसार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 642.631 अरब डॉलर रहा है जो इसका नया उच्च स्तर है। इससे पहले सितंबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा था। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 करोड़ डॉलर बढ़ा है। आरबीआई की ओर से जारी डेटा के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 642.631 अरब डॉलर रहा है, जो इसका नया उच्च स्तर है।

यह लगातार पांचवां सप्ताह रहा है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। इस दौरान कुल विदेशी मुद्रा भंडार में 6.396 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। इससे पहले सितंबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा था।

आरबीआई के डेटा के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीआई) में 12.3 करोड़ डॉलर की गिरावट हुई है। अब यह घटकर 568.264 अरब डॉलर रह गई हैं। कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए की सबसे बड़ी हिस्सेदारी होती है। हालांकि, बीते सप्ताह स्वर्ण भंडार में 34.7 करोड़ डालर की वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 51.487 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पहले वाले हफ्ते में स्वर्ण भंडार में 2.999 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। उस समय कुल स्वर्ण भंडार बढ़कर 50.176 अरब डॉलर हो गया था। आईएमएफ के पास जमा 2.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.662 अरब डॉलर रह गया है। 2022 के दौरान आरबीआई की ओर से रुपये की गिरावट थामने के लिए डॉलर की बिक्री के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई थी।

टंकी फुल कराने के पहले जान लें अपने शहर में पट्रोल-डीजल के दाम, जारी हुई नई कीमतें

Petrol Diesel Price Today तेल कंपनियों ने रोज की तरह आज यानी शनिवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों का खुलासा कर दिया है। राज्य सरकार द्वारा लगाए वैट के चलते अलग-अलग शहरों में फ्यूल की कीमतें अलग-अलग होती है। ऐसे में अपने गाड़ी की टंकी फुल करने से पहले जान लें कि आपके शहर में पेट्रोल- डीजल की कीमत कितनी है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। Petrol Diesel Price Today: शनिवार का दिन थोड़ा हल्का होता है, लेकिन फिर भी हम कही जाने के लिए अपनी कार या बाइक का इस्तेमाल करते तो है ही। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शहर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों से अवगत रहे।

बता दें कि तेल कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे ही पेट्रोल-डीजल की नई कीमतों को अपडेट कर देती है। ये कीमतें देश की सरकारी तेल कंपनियों यानी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्धारित की जाती है।

इसके बाद इनपर टैक्स, वैट, कमीशन आदि लगाते हैं।

वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत उतार-चढ़ाव के चलते भी पेट्रोल डीजल की कीमतें प्रभावित होती है। आइये जानते हैं कि आपके शहर में पेट्रोल-डीजल की क्या कीमत है।

महानगरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत

राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.13 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

ब्याज देने के मामले में टैक्स सेविंग FD से आगे है पोस्ट ऑफिस की यह स्कीम, निवेश और रिटर्न रहेगा एकदम सेफ

परिवहन विशेष न्यूज

अब वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने वाला है। ऐसे में अगर आप टैक्स बचाने के लिए निवेश करना चाहते हैं तो आपके पास ज्यादा समय नहीं है। अगर आपने अभी तक तय नहीं किया है कि स्कीम में निवेश करें तो हम आपको दो विकल्प के बारे में बता रहे हैं। यहां आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और शानदार रिटर्न भी मिलेगा। साथ ही आप टैक्स भी बचा पाएंगे।

नई दिल्ली। हम जब भी किसी स्कीम में पैसा लगाते हैं, तो हमारे दिमाग में अमूमन तीन चीजें होती हैं। निवेश सुरक्षित रहे, अच्छा रिटर्न मिले और टैक्स बचे। अगर आप भी ये तीनों फायदे चाहते हैं, तो नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (NSC) या टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट (TSFD) में निवेश कर सकते हैं। हालांकि, टैक्स छूट के लिए आपको ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत ही इनम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करना होगा।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (NSC)

पोस्ट ऑफिस की राष्ट्रीय बचत पत्र यानी NSC स्कीम में आपका पैसा सुरक्षित रहता है। साथ ही, रिटर्न भी तय रहता है। NSC में आप सिर्फ 1 हजार रुपये निवेश शुरु कर सकते हैं। अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं। ब्याज फिलहाल 7.7 फीसदी है, जिस पर सरकार हर तिमाही विचार करती है। लॉक इन पीरियड 5 साल रहता है।

टैक्स छूट की बात करें, तो इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत सालाना डेढ़ लाख रुपये तक टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, आपको निवेश पर जो ब्याज मिलेगा, वो टैक्सेबल रहेगा यानी उस पर टैक्स देना पड़ेगा।

टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट (TSFD)

टैक्स सेविंग FD भी सामान्य FD की तरह है, लेकिन इसमें टैक्स छूट का लाभ मिलता है। आप 5 साल की टैक्स सेविंग FD पर 80C के तहत डेढ़ लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। ब्याज बैंकों के हिसाब से अलग-अलग है। यह आमतौर पर 5.5 से 7.75 प्रतिशत तक है। लॉक-इन पीरियड 5 साल का होता है।

SBI सभी नागरिकों को 6.50 प्रतिशत ब्याज दे रहा। वहीं, HDFC बैंक और ICICI बैंक में इंटरेस्ट रेट 7-7 प्रतिशत है। ज्यादातर बैंकों में सीनियर सिटिजन यानी वरिष्ठ नागरिकों को कुछ अधिक ब्याज मिलता है। यह 0.25 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत तक हो सकता है।

देश के 9 बड़े शहरों में बिना बिके घरों की संख्या 7 प्रतिशत घटी, क्या बढ़ती डिमांड का है असर?

परिवहन विशेष न्यूज

देश के 9 बड़े शहरों में Unsold housing यानी बिना बिके घरों की संख्या में पिछले 3 महीने के दौरान करीब 7 प्रतिशत की कमी आई है। यह 4.81 लाख यूनिट्स रही। इन शहरों में घरों की सप्लाई के तुलना में अधिक बिक्री नजर आई। इससे बिना बिके घरों की संख्या में बड़ी गिरावट आई। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। देश के नौ प्रमुख शहरों में इस साल जनवरी से मार्च के दौरान बिना बिके घरों (Unsold housing) की संख्या में तिमाही आधार पर सात प्रतिशत की कमी आई है। अब इन शहरों में बिना बिके घरों की संख्या घटकर 4.81 लाख रह गई है। नौ प्रमुख शहरों में मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं।

रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक फर्म प्रॉपइक्विटी (PropEquity) के मुताबिक, नई आपूर्ति के मुकाबले बिक्री ज्यादा रहने से बिना बिके घरों की संख्या में कमी आई है। PropEquity के डेटा के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में बिना बिके घरों की संख्या 5.18 लाख थी।

PropEquity के फाउंडर समीर जसूजा का कहना है कि जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान घरों की बिक्री नई लॉन्चिंग से ज्यादा रही है। यह रियल एस्टेट बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है। बीती तिमाही में नौ प्रमुख शहरों में 1,44,656 घरों की बिक्री हुई है, जबकि नए लॉन्च होने वाले घरों की संख्या 1,05,134 रही है। इससे बिना बिके घरों की संख्या घटी है।

44 प्रतिशत ज्यादा ऑफिस स्पेस किराये पर लिया गया

देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान किराये पर लिए जाने वाले ऑफिस स्पेस में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट कुशमैन एंड वेकफील्ड की ओर से शनिवार को जारी डेटा के अनुसार, बीती तिमाही में कुल 115.14 लाख वर्गफुट ऑफिस स्पेस किराये पर लिया गया है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो 31 मार्च तक कर लें ये काम, वरना होगी परेशानी

परिवहन विशेष न्यूज

अगर म्यूचुअल फंड्स में निवेश करते हैं तो आपको हर हाल में 31 मार्च तक अपनी केवाईसी (नो योर कस्टमर) पूरी करनी होगी। ऐसा नहीं करने पर हो सकता है कि आपकी म्यूचुअल फंड ट्रांजेक्शन रोक दिया जाए। अगर आपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को भी वेरिफाई नहीं कराया है तो भी आपको दिक्कत हो सकती है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को दोबारा केवाईसी करानी होगी।

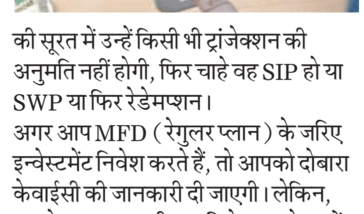

नई दिल्ली :निवेश के लिए म्यूचुअल फंड बहुत से लोगों का पसंदीदा माध्यम है। इसमें जोखिम रहता है, लेकिन अच्छे रिटर्न की गुंजाइश भी रहती है। अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो आपको अपनी केवाईसी (नो योर कस्टमर) पर फिर से नजर डाल लेनी चाहिए। 31 मार्च तक जिन निवेशक की केवाईसी पूरी नहीं हुई होगी, उन्हें 1 अप्रैल से किसी भी म्यूचुअल फंड ट्रांजेक्शन की इजाजत नहीं रहेगी।

क्या नियम है म्यूचुअल फंड केवाईसी का?

जिन म्यूचुअल फंड निवेशकों की केवाईसी किसी भी 'आधिकारिक वैध दस्तावेज' के जरिए नहीं हुई है। उन्हें 31 मार्च तक अपनी दोबारा केवाईसी करानी होगी। ऐसा ना करने की सूरत में उन्हें किसी भी ट्रांजेक्शन की अनुमति नहीं होगी, फिर चाहे वह SIP हो या SWP या फिर रेडेमप्शन।

अगर आप MFD (रेगुलर प्लान) के जरिए इन्वेस्टमेंट निवेश करते हैं, तो आपको दोबारा केवाईसी की जानकारी दी जाएगी। लेकिन, डायरेक्ट प्लान यानी खुद निवेश करने वालों को यह सूचना मिलना जरूरी नहीं।

क्या सबको करानी होगी केवाईसी?

सभी निवेशकों को केवाईसी रिकॉर्ड अपडेट करने की जरूरत नहीं। अगर आपने वैध दस्तावेजों के जरिए अपनी केवाईसी कराई है और आपका मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी भी वेरिफाई हैं, तो आपको दोबारा केवाईसी कराने के झंझट से गुजरने की जरूरत नहीं।

एक्सपर्ट का कहना है कि मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का वेरिफिकेशन निहायत जरूरी है। अगर किसी ने अपनी ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर वेरिफाई नहीं किया है और वैध दस्तावेजों से केवाईसी कराया है, तो भी उनका ट्रांजेक्शन रोक दिया जाएगा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ इंडी गठबंधन की महारैली क्या दोहराएगी अन्ना-जेपी का इतिहास

परिवहन विशेष।। एसडी सेठी।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन समूह के तमाम दलों की कल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन किया गया है। ये महारैली समूह साथी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की ईडी द्वारा कथित शराब घोटाले को लेकर गिरफ्तारी पर पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ बगावती आवाज बुलंद की जाएगी। आप व कांग्रेस नेताओ का दावा है कि यह महारैली अन्ना और जेपी आंदोलन के इतिहास को दोहराएगी।इस महारैली में इंडिया गठबंधन के कई बडे नेता रामलीला मैदान की इस एतिहासिक रैली में शामिल रहेगें। महारैली के आयोजन की पूरी जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी ने ली है। रैली में भीड जुटाने के लिए आप ने शुक्रवार से ही डोर टू डोर कैंपेन कर लोगों को रामलीला मैदान तक लाने की तैयारी पूरी कर ली है।कैंपस के तहत पार्टी के तमाम सीनियर लीडर, मंत्री, विधायक, पार्षदों समेत जिला मंडल, वार्ड स्तर जाकर लोगों को रैली में आमंत्रित करने के लिए बाकायदा निमंत्रण पत्र तक बांटे गए है।हजारों की तादाद में छपवाए गए निमंत्रण पत्र के पीछे सलाखों के पीछे खडे सीएम केजरीवाल का फोटो भी छपा है। रामलीला मैदान में विपक्ष की रैली रविवार सुबह 9:30 बजे दोपहर 2:00 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। रैली में दिल्ली के अलावा हरियाणा और

पंजाब समेत अन्य राज्यों से भी समर्थकों के जुटने की उम्मीद है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने बताया कि करीब 500-600बसों का प्रबंध किया गया है।इंडिया गठबंधन से आने वाले नेताओ में मल्लिकार्जुन खडगे, शरद पवार, उद्धव ठाकरे अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, डेरेक ओ ब्रायन, एन शिवा, फारूख अब्दुला, चंपई सोरेन, सीताराम येचुरी, डी राजा, दीपांकर भट्टाचार्य, देवराज, और पंजाब सीएम भगवंत मान शामिल है।

गहलोत से ईडी ने की 5 घंटे तक पूछताछ...

कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) इन दिनों एक के बाद एक आम आदमी पार्टी दिल्ली के मंत्रियों पर भी नकेल कसना शुरु कर दिया है।इसी क्रम में आज शनिवार को ईडी के दरबार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत की भी हाजरी लगाई गई। उन्हें भी समन देकर पूछताछ के लिए तलब किया गया।इस बात से तिलमिलाई आतिशी ने कहा कि कल को ईडी मुझे भी बुला सकती है। बता दें कि कथित शराब घोटाले में डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह,फिर ,मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आज शनिवार को ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर कैलाश गहलौत को भी ईडी द्वारा समन देकर पूछताछ के लिए दफ्तर में तलब किया गया।मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी ने करीब 5 घंटे तक कथित शराब घोटाले को लेकर पूछताछ की ।दरअसल जांच एजेंसी का कहना है कि कैलाश गहलोत उस ग्रुप का हिस्सा थे, जिन्होने इस शराब नीति के मसौदे को तैयार किया था।ये मसौदा- शराब (पॉलिसी) साउथ के ग्रुप को लीक किया गया था।साथ ही कैलाश गहलोत पर साउथ के शराब कारोबारी विजय नायर को अपना सरकारी आवास भी देने का आरोप है।ईडी ने पहले भी कहा था कि इस दौरान परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अपना मोबाइल नंबर भी कई बार बदला था।उल्लेखनीय है कि कैलाश गहलोत दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री है।उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का करीबी व राजदार माना जाता है।केजरीवाल और आप के राष्ट्रीय संयोजक भी हैं।ईडी ने दिल्ली की शराब नीति से जुडे धन शोधन मामले में २१ मार्च को गिरफ्तार किया गया था।सीएम केजरीवाल 1 अप्रैल तक ईडी की रिमांड पर है।उल्लेखनीय है कि 17 नवंबर २०२१ को केजरीवाल सरकार की एक्साइज पॉलिसी २०२१-२२ को लागू किया गया था।इस शराब नीति के तहत सरकार शराब कारोबार से बाहर आ गई।और तमाम शराब की दुकानों को निजी हाथों में थमा दिया गया।दिल्ली सरकार का दावा था कि। नई शराब नीति से माफिया राज खत्म होगा।और सरकार के खजाने में बढोतरी होगी। बतादें कि शुरु से यह शराब नीति विवादों में थी।जब शराब नीति को लेकर बवाल हद से ज्यादा बढ गया तो इसे रद्द कर दिया।२८ जुलाई, २०२२ को सरकार ने इसे रद्द कर दिया। 8 जुलाई, २०२२ को दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव नरेश कुमार की रिपोर्ट से शराब घोटाला सामने आया।दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की।इसके बाद सीबीआई ने 17 अगस्त,२०२२ को केस दर्ज किया।इसमें करोडों रूपये की हेराफेरी का आरोप भी लगा।इसलिए मनी लांड्रिंग की जांच के लिए ईडी ने भी केस दर्ज कर लिया।

अमृतसर और गुरदासपुर जिलों के उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन परीक्षा (CEE) मुफ़्त कोचिंग

अमृतसर (साहिल बेरी) अमृतसर और गुरदासपुर जिलों के उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन परीक्षा (CEE) मुफ़्त कोचिंग 22 अप्रैल 2024 से आयोजित की जाएगी । जिन उम्मीदवारों ने वर्ष 2024 के लिए अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती के लिए आवेदन पत्र भरा है, वे उम्मीदवार ऑनलाइन परीक्षा (CEE) के लिए मुफ्त कोचिंग की सुविधा का लाभ डेरा बाबा नानक और रानीके में स्थित C-PYTE केंद्र और 11 Punjab Bn NCC, अमृतसर में उठा सकते हैं। ऑनलाइन परीक्षा (CEE) 22 अप्रैल 2024 से आयोजित की जाएगी ।

सोजत के रायराकला ग्रामवासियों ने इस बार लोकसभा चुनाव का बहिष्कार

परिवहन विशेष न्यूज

सरपंच योगेता कंवर ने बताया कि 40 वर्ष पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा अव्वल निर्माण दिन कार्य करवाया था मंगलाराम रायरा कला ने तेडकर रास्ता बना लिया व समझ युवा शक्ति ने पुनः वाला निर्माण करवाया दूसरी बार भी उन्होंने तोड़ दिया समस्त ग्रामवासी एवं ग्राम पंचायत नोटिस भी जारी किया लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है सभी ग्राम वासियों की जो मन की इच्छा है वह पूर्ण करने में सहयोग और सपोर्ट करें समस्त ग्राम वासियों ने यह निर्णय लेकर अबकी बार लोकसभा चुनाव में वोट नहीं करेंगे यह मन बना कर बैठे हैं । हनुमान राम देवासी हापत व समस्त ग्रामवासी युवा शक्ति व ग्राम पंचायत रायरा कला

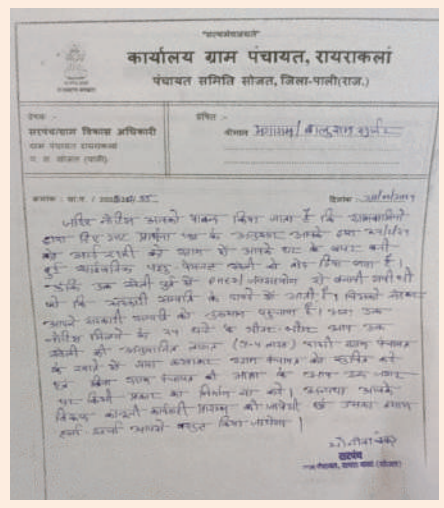
कार्यालय ग्राम पंचायत, रायराकलां
पंचायत समिति सोजत, जिला-पाली(राज.)

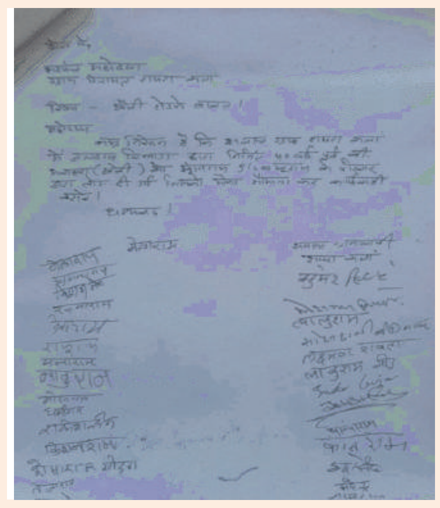

यू पी: भारत में अवैध रूप से रहने पर दोषी रोहिंग्या को सात साल की जेल, कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में अवैध रूप से रह रहे म्यामांर निवासी रोहिंग्या जुनैद पुत्र हुसैन खां को एसीजेएम परविंदर सिंह की अदालत ने सात वर्ष के कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। सहायक अभियोजन अधिकारी मौ. अहमद ने बताया कि 19 मई 2018 को देवबंद पुलिस ने दारुल उलूम वक्फ क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे म्यांमार निवासी रोहिंग्या जुनैद पुत्र हुसैन खां को गिरफ्तार किया था। उसके पास से फर्जी आधार कार्ड व फर्जी पासपोर्ट बरामद हुआ था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कई धाराओं व 12 पासपोर्ट अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया था।

"गुरु नगरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विशेष पैकेज लाया जाएगा"
शहर के आसपास के कस्बों का भी विकास किया जाएगा- तरनजीत सिंह संधू

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर।(साहिल बेरी) भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और अमेरिका में भारत के राजदूत सतरंजीत सिंह संधू ने कहा कि गुरुओं के पदचिन्हों पर चलते हुए योजनाबद्ध तरीके से श्री अमृतसर का व्यापक विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गुरु नगरी के लिए विशेष पैकेज लाया जाएगा। केंद्र सरकार के सहयोग से शहर के आसपास के कस्बों का भी विकास किया जाएगा।

मानांवाला में कार सेवा करने वाले बाबा गुरमुख सिंह, बाबा झंडा सिंह, बाबा साधु सिंह और बाबा शाम सिंह की याद में वार्षिक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने आए पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि अमृतसर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है। गुरु भी। साहिबों ने इसके विकास और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई बाज़ार स्थापित किए। यहां कुशल लोगों और व्यापारियों को बसाया गया। छोटे-बड़े उद्योग स्थापित हुए।

पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि समय बदल गया है, अब शहर आधुनिक तर्ज पर विकास की मांग करता है. उन्होंने कहा कि शहर को एक खूबसूरत मॉडल शहर बनाने के साथ-साथ लोगों की आय बढ़ाने और कारोबार को बेहतर बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी बहुत कुछ करना है. उन्होंने कहा कि अमृतसर शहर न केवल व्यापार के लिए बल्कि धार्मिक रूप से भी जाना जाता है, उस स्थान को दोबारा हासिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां प्रतिदिन लाखों लोग आते हैं. उन्हें कम से कम तीन दिन अमृतसर में रहना पड़ता है,

इसलिए यहां पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है। ऐतिहासिक स्मारकों की कमी नहीं है, लेकिन संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि यहां पानीदार बगीचा है, महाऋषि बाल्मीक का पावन तीर्थ श्री राम तीर्थ मंदिर है, अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट देखने के लिए देश भर से लोग आते हैं. उन्होंने कहा कि कृषि में नवीनता लाकर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, इसके लिए अमृतसर से कार्गो उड़ानें चलाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं में योग्यता की कमी नहीं है लेकिन अवसर की कमी जरूर है. उन्हें हुनरमंद बनाकर अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ दशक पहले भी अमृतसर उद्योग का केंद्र हुआ करता था, अब भी यहां उद्योग स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार से मदद और विदेशी कंपनियों खासकर अमेरिकी कंपनियों से पूंजी निवेश कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के मौके पर अमेरिका में भारत के राजदूत एस तरनजीत सिंह संधू और पूर्व कैबिनेट मंत्री स. गुलजार सिंह रणीके को सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाई धर्म सिंह, पूर्व वाइस चेयरमैन मलकीत सिंह बब्बू, जागीर सिंह थिंद, इंजीः कर्णबीर सिंह थिंद, प्रोफेसर सरचंद सिंह, पृथीपाल सिंह मान, जगबीर सिंह जग्गी, नवतेज सिंह बशंबरपुरा, इंजीः कर्णबीर सिंह थिंद, गगनदीप सिंह जम्मू, दिलबाग सिंह चौहान, करमजीत सिंह, कंवलजीत सिंह मानांवाला, सरबजीत सिंह, परमजीत सिंह बिक्कू, परमिंदर सिंह कालू, हरदेव सिंह, संजीव कुमार, हरशरण सिंह बिक्का, कंवलजीत सिंह तलवंडी, लखविंदर सिंह, परमजीत सिंह गुजर सिंह कोल्ड स्टोर वाले, कर्नल सिंह मरोक, सुरजीत सिंह, जागीर सिंह काली, गुरदयाल सिंह, इकबाल सिंह, रछपाल सिंह, सतपाल सिंह थिंद, गुरजीत सिंह टीटू, जगदीप सिंह थिंद, अंग्रेज सिंह आदि के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

नवी मुंबई में अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। एटीएस ने नवी मुंबई से पांच बांग्लादेशी नागरिकों को वैध दस्तावेजों के बिना देश में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस की विक्रोली इकाई (मुंबई) द्वारा शुक्रवार को घनसोली में दो स्थानों पर एक अभियान चलाया गया। एटीएस ने नवी मुंबई से पांच बांग्लादेशी नागरिकों को वैध दस्तावेजों के बिना देश में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस की विक्रोली इकाई (मुंबई) द्वारा शुक्रवार को घनसोली में दो स्थानों पर एक अभियान चलाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एटीएस ने पांच बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया, जो वैध दस्तावेजों के बिना भारत में रह रहे थे। उन्हें घनसोली में जनाई 'कंपाउंड' और शिवाजी तलाव के पास से पकड़ा गया।' उन्होंने बताया कि आरोपी ए. जमाल शेख (22), रेबुल समद शेख (40), रोनी सोरिफुल खान (25), जुलु बिलाल शरीफ (28) और मोहम्मद मुनीर मोहम्मद सिराज मुल्ला (49), बांग्लादेश के दो जिलों के रहने वाले थे और नवी मुंबई में राजमिस्त्री के रूप में कार्यरत थे। अधिकारी ने कहा कि एटीएस से जुड़े एक पुलिस उप-निरीक्षक द्वारा दर्ज करायी गई शिकायत के बाद उन्हें विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि नवी मुंबई की रबाले पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की।

अपील - राष्ट्रहित में 14 अप्रेल को अपने घर और घरों की चौखट पर दीपक जलाएं : अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

डॉ. बाबा साहेब की जयंती को ज्ञान दिवस के रूप में मनाएं : विश्व ज्ञान रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराय अम्बेडकर जी के हम हमेशा क़र्ज़दार रहेंगे :

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। डॉ अम्बेडकर जयंती, जिसे आज़ भीम जयंती के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की जयंती हर साल 14 अप्रैल को उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए मनाई जाती है।

ज्ञान के प्रतिक एवं राष्ट्र नायक डॉ बाबा साहेब भीमराय रामजी अम्बेडकर जी के 134वे जन्म दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को अग्रिम शुभकामनायें व्यक्त करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक अरविन्द पुष्कर एडवोकेट ने कहा कि हमारे भारतीय सविधान के रचयिता, विश्व रत्न, असहायों के भाग्यविधाता, ओजस्वी लेखक, पत्रकार, सम्पादक, अर्थशास्त्री एवं अद्वितीय प्रतिभा के धनी, राजनीतिज्ञ, समाजसेवी, महान समाज सुधारक, देश के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माता, दलित, शोषित पीड़ित वर्ग एवं वंचितो के मसीहा, सामाजिक न्याय के प्रणेता, देश को नई दिशा देने वाले, गरीब, के ग्रेट लीडर, द नॉलेज ऑफ सिंबल, ज्ञान के प्रतिक एवं राष्ट्र नायक डॉ बाबा साहेब भीमराय रामजी अम्बेडकर जी की 134वे जन्म दिवस के शुभ अवसर पर हमारी सभी से अपील हैं कि राष्ट्रहित में 14 अप्रेल को अपने - अपने घर और घरों की चौखट पर दीपक जलाएं और डॉ अम्बेडकर जयंती ज्ञान दिवस के रूप में मनाएं तथा डॉ बाबा साहेब के विचारों पर आधारित किताबें स्वयं पढ़े और बच्चों को भी बांटे तथा सभी से किताबें पढ़ने की अपील करें ताकि डॉ बाबा साहेब के राष्ट्रवादी विचारों का घर - घर में प्रसार हो और ये महत्वपूर्ण सन्देश देश विदेश और प्रदेश भर में बड़े स्तर जाये। डॉ बाबा साहेब ने हमारे देश का संविधान लिखा जिसके तहत हमारी सरकारे बर्षो वर्ष से सुचारु रूप से चल रही हैं। भारत के लोग कई संवेधानिक अधिकारों के लिए डॉ बाबा साहेब भीमराय अम्बेडकर जी के क़र्ज़दार हैं। बाबा साहेब ने भारत के औपनिवेशक शासकों के अनुग्रह के रूप में हमें संविधान नहीं प्रदान किया हैं। हमारा संविधान एक ऐसा दस्तावेज हैं जिसे देश में ही तैयार किया गया हैं, जो स्वशासन, गरिमा और स्वतन्त्रता का उत्पाद हैं। हमारा संविधान जीवन का माध्यम है, कागज़ों का पुलिंदा नहीं है। देश के विकास के लिए हम सब भारतीय हैं और हमें मिलजुल कर देश को बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए।

श्री पुष्कर साहब ने आगे कहा कि हमारे संविधान ने अधिक न्यायापूर्ण और लोकतान्त्रिक समाज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और लंबे कदम बढ़ाये हैं, लेकिन स्वतंत्रता के समय हमारे समाज में गहरी जड़े जमाई हुई असमानता आज़ भी मौजूद हैं। अभी इस पर राष्ट्रहित में काफ़ी कार्य किया पूरा किया जाना शेष हैं और सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए हमारे सर्व समाज में एकता और संविधानवाद की भावना लाने की ज़रूरत हैं। यादि क़ानून के युवा छात्रों और सनातकों का मार्गदर्शन संविधान के मूल्यों से होगा, तव वे नाकाम नहीं होंगे। इस विचार का विस्तार है कि न्यायालय से संपर्क करने का अधिकार संविधान का "हृदय और आत्मा" है, संविधान अस्तित्व में है और संविधान काम करता है। राष्ट्र की तरक़्क़ी हेतु हमें डॉ बाबा साहब के विचारों की बहुत आवश्यकता हैं, आज हमें सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आज हम सब की जिम्मेदारी है कि हम एक दूसरे की मदद करें और देश को उन्नति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़ाएं। डॉ बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी की 134वी जन्म जयंती पर, हम भारत के लोगों की तरफ से अपनी सामूहिक शक्ति का ये प्रदर्शन, ये संकल्प, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। क्योकि डॉ बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन गरीबों, कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। बाबा साहब ने समाज में हर वर्ग को समानता दिलाने के लिए जीवन भर कठिन संघर्ष किया। इसलिए शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण आधार होना चाहिए। क्योंकि बाबा साहेब का संघर्ष सम्पूर्ण विश्व के लोगों के लिए एक मिसाल हैं। डॉ बाबा साहेब के चिंतन और विचारों में देश सबसे ऊपर हैं। हम कभी भी बाबा साहब के त्याग और बलिदान को भुला नहीं सकते। हम सब भी उनके विचारों और क़िताबों को पढ़कर काबिल और मजबूत इंसान बन सकते हैं। डॉ बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की जन्म जयंती पर, हम भारत के लोगों की तरफ से अपनी सामूहिक शक्ति का ये प्रदर्शन, ये संकल्प, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। मैं बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को कोटी-कोटी नमन करते हुए उन्हें बारम्बार श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023